हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 14 सितंबर 2025

तापमान
अधिकतम 34 .0 डिग्री
न्यूनतम 26 .0 डिग्री

10 सरकारी योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचाना...

10 पेंशनरों की मांगों को पूरा करे सरकार

खबर संक्षेप

अवैध पिस्तौल सहित दो गिरफ्तार

जींद। जिला पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से अवैध पिस्तौल सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। झांझ गेट चौकी ईचार्ज उपनिरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस मीट मार्केट के पास खड़ी थी। तभी सूचना मिली कि एक युवक अवैध पिस्तौल लेकर गोला पुलिया की तरफ आ रहा है।

मारपीट करने के मामले में आरोपित गिरफ्तार

कैथल। बिजली विभाग के कर्मचारियों के कार्य में बाधा उत्पन्न मारपीट करने के मामले की की जांच थाना ढांड पुलिस के एएसआई बलजोर सिंह की टीम द्वारा करते आरोपी पबनावा निवासी सुल्तान को गिरफ्तार कर लिया गया। एसडीओ प्रिंस की शिकायत अनुसार 5 सितंबर को निगम के जेई गांधी लेगा की टीम पबनावा गांव में बिजली लाइन पर काम करने के लिए गई थी।

रंजिशन हमला करने पर दस के खिलाफ केस

जींद। गांव खांडा में रजिशन हमला कर व्यक्ति पर हमला कर घायल करने पर अलेवा थाना पुलिस ने दस लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव खांडा निवासी संजीव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी रामभज परिवार से रंजिश चली आ रही है। उसी रंजिश के चलते रामभज परिवार पशुओं को पानी पिलाने के दौरान हमला कर दिया।

देह व्यापार के मामले में एक आरोपित गिरफ्तार

कैथल। कैथल में स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर बाहर से महिलाओं को बुलाकर अनैतिक कार्य करवा रहा था। पकड़े गए आरोपी की पहचान धौंस निवासी राजिंद्र कुमार के रूप में हुई है।

अलग-अलग स्थानों पर दो दुकानों के टूटे ताले

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों से चोरों ने दो दुकानों के ताले तोड़ कर नगदी तथा सामान को चोरी कर लिया। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव खांडा निवासी गुरप्रीत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने उसकी दुकान का ताला तोड़ कर तीन हजार रुपये की नगदी, म्यूजिक सिस्टम तथा अन्य सामान को चोरी कर लिया।

बाइक सवारों ने आंगनबाड़ी वर्कर का बैग छीना, केस दर्ज

जींद। बत्तख चौक के निकट बाइक सवार दो युवकों ने आंगनबाड़ी वर्कर से बैग को छीन लिया। बैग में नगदी के अलावा कुछ दस्तावेज थे। शहर थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर दो अज्ञात युवकों के खिलाफ छीना झपटी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आंगनबाड़ी वर्कर जलालपुरा निवासी मीना अपराही मोहल्ले में डयूटी कर घर वापस जाने के लिए बत्तख चौक पर वाहन का इतंजार कर रही थी।

सरकारी स्कूल का टूटा ताला, सामान चुराया

जींद। गांव शामलो खुर्द सरकारी स्कूल का बीती रात चोरों ने ताला तोड़ कर इनवर्टर, बैटरी व अन्य सामान को चोरी कर लिया। स्कूल मुखिया की शिकायत पर जुलाना थाना पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज किया है।

ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर 15 तक दर्ज करें खराबे की रिपोर्ट

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि हरियाणा सरकार ने अत्यधिक बारिश से नुकसान की भरपाई के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला हुआ है। किसान इस पोर्टल पर आगामी 15 सितंबर तक अपनी फसल खराबे की पूरी जानकारी अपलोड कर सकते हैं। किसान स्वयं, सीएससी सेंटर के माध्यम फसल खराबे की रिपोर्ट दर्ज कर सकेंगे।

शॉर्ट सर्किट के कारण पशुबाड़े में आग लगने से युवक और भैंस जिंदा जले

फायर बिग्रेड की गाड़ी देरी से पहुंची, लोगों ने पाया काबू, आग बुझाने पहुंचा था साहिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद/जुलाना

जुलाना कस्बे के वार्ड 13 में शनिवार अलसुबह मकान तथा पशुबाड़े में लगी आग को बुझाने पहुंचे युवक तथा एक भैंस की जिंदा जलने से मौत हो गई। आसपास के लोगों ने कड़ी के मशक्त के बाद आग पर काबू पाया। फायर बिग्रेड भी देरी से पहुंची। आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी है। जुलाना थाना पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है।

जुलाना के वार्ड 13 निवासी दीपक के मकान में बुधवार को अल सुबह आग भड़क उठी। जिसने साथ बने पशुबाड़े को भी अपनी चपेट में ले लिया। दीपक परिवार द्वारा मचाए गए शोर को सुनकर पड़ोसी 22 वर्षीय साहिल सहित पांच युवक मौके पर पहुंच गए और आग पर काबू पाने की कोशिश की। पशुबाड़े में तूड़ी भरे होने तथा कडियों की छत के चलते विकराल रूप धारण कर लिया। साहिल तथा अन्य युवक पशुबाड़े की छत को उखाडने लगे। उसी दौरान पशुबाड़े की छत कडियां जलने के कारण नीचे गिर गई। जिसके साथ साहिल भी नीचे गिर गया और मलबे के नीचे दब गया। मौके पर मौजूद लोगों ने कड़ी मशक्त के बाद साहिल को बाहर निकाल सीएचसी पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने साहिल को मृत घोषित कर दिया। वहीं पशुबाड़े में बंधी भैस की भी जिंदा जलने से मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर जुलाना थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया।

जींद। आग से गिरी पशुबाड़े की छत व मृतक साहिल का फोटो।

गाड़ी पहुंच जाती तो बच जाती जान

मृतक साहिल के चाचा पंकज ने आरोप लगाया कि सूचना के पौना घंटे बाद फायर बिग्रेड की गाड़ी पहुची। गली तंग होने के कारण गाड़ी भी आधा एकड़ दूर खड़ी हुई। जब तक पाइप डाली जाती तब तक काफी देर हो चुकी थी। उसने कहा कि अगर गाड़ी समय पर आती तो साहिल की जान बच जाती। साहिल छत से गिरने के बाद भी लगभग आधा घंटे तक मलबे में आग की लपटों में घिरा रहा। आसपास के लोगों ने ही साहिल को आग की लपटों से बाहर निकाला लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। जुलाना थाना प्रभारी रविंद्र ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया गया है।

लैब टेकनिशियन का कोर्स कर रहा था साहिल

मृतक साहिल का पिता सुनील दिहाड़ी का काम करता है। वह अपने नौल्था पानीपत में मजदूरी अपने दोनों बेटों को पढ़ा रहा था। साहिल 12वीं की परीक्षा पास कर महम में लैब टेकनिशियन का कोर्स कर रहा था। साहिल अपने दादा के पास जुलाना में रह रहा था। साहिल के कोर्स को पूरा होने में मात्र तीन महीने ही बचे थे। जबकि साहिल का बड़ा भाई बीए पास कर चुका है। सुनील को उम्मीद थी कि साहिल कोर्स पूरा कर उनके परिवार का गुजर-बसर सही ढंग से चलाएगा लेकिन हादसे के बाद सुनील के सपनों पर पानी फिर गया। साहिल की मौत से जुलाना में मातम छा गया।

बाल बाल बचे परिजन और तीन मजदूर, नहीं थे सुरक्षा के इंतजाम

मेन तलाई बाजार में जर्जर भवन गिरने से दबा मजदूर, कड़ी मशक्कत के बाद जिंदा निकाला

हा-हाकार मचा , दुकानदार और राहगीरों ने चलाया राहत अभियान

बड़ा हादसा टला, कंडम भवनों को समय रहते गिरवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल के मेन बाजार में शनिवार शाम करीब 4:30 बजे एक पुराना मकान अचानक गिर गया। मकान गिरने से वहां काम कर रहा एक मजदूर मलबे के नीचे दब गया। हादसे में मलबा बीच बाजार बिखर गया। जैसे ही मकान गिरा तो दबे मजदूर को बाहर निकालने के लिए आसपास के लोग, दुकानदार जुट गए। इसकी सूचना तुरंत दमकल विभाग व पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस से एसआई राजकुमार राणा अपने दल बल के साथ पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए। जैसे ही लोगों ने मलबा हटाना शुरू किया तो नीचे से मजदूर की कराहने की आवाज आई तो राहत कार्य में जुटे लोगों ने जल्दबाजी व सावधानी से राहत कार्य किया ताकि मजदूर को जिंदा बचाया जा सके। करीब 20 मिनट तक की कडी मशक्कत के बाद मजदूर को जिंद बाहर निकाला गया। उसका सिर सुरक्षित था जबकि शरीर के अन्य भागों पर चोट थी। मजदूर को तुरंत एंबूलेंस की मदद से कैथल के नागिरक अस्पताल भिजवाया गया जहां उसका उपचार किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के मेन तलाई बाजार में कविता पत्नी कमल गांधी की दुकान थी, जिसके ऊपर मकान था। दुकान पुराने समय की कडियो की बनाई हुई थी जो कंडम हो चुकी थी। इसे गिरवाया जा रहा था। इसे गिराने के लिए चार मजदूर लगाए गए थे। जैसे ही मजदूर दुकान को गिराने का काम कर रहे थे तो इस दौरान एक मजदूर नीचे तथा तीन दुकान के ऊपर थे कि अचानक घड़ाम से दुकान नीचे गिर गए तथा इसका मलबा बीच बाजार फैल गया। दुकान के नीचे काम कर रहा मजदूर मलबे के नीचे दब गया। गनीमत रही कि जिस समय मलबा गिरा उस समय मजदूर ने अपने सिर को नीचे छिपा लिया तथा कडी व ईंटे व मिट्टी से उसका शरीर पूरी तरह से दब गया।

नागरिक अस्पताल भिजवाया

जैसे ही युवा राहत में जुटे थे तो नीचे दबे मजदूर की कराहट की आवाज सुनाई दी। इस पर युवाओं को मजदूर के नीचे जिंद होने का आभास हुआ। इसके बाद युवाओं ने राहत कार्य में तेजी लाई तथा सावधानी के साथ काम करना शुरू किया। मौके पर पहुंच एसआई राजकुमार राणा भी अपनी टीम के साथ राहत कार्य में जुटे थे। काफी मशक्कत के बाद ईंट व मलबा हटाकर मजदूर को बाहर निकाला गया। उसकी सांस चल रही थी। उसे तुरंत प्रभाव से एंबूलेंस की मदद से कैथल के नागरिक अस्पताल भिजवाया गया।

नियम अनुसार की जाएगी कार्रवाई

थाना शहर प्रभारी इंस्पेक्टर गीता ने बताया कि मौका-ए-वारदात पर थाना शहर पुलिस तुरंत पहुंच गई और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस कर्मचारियों द्वारा राहत व बचाव कार्य भी किया गया। पुलिस ने कहा कि मामले की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है और आगे की कार्रवाई नियम अनुसार की जाएगी।

लंबी तान कर सोए अफसर

शहरवासियों ने कहा कि मेन बाजार जैसी भीड़भाड़ वाली जगह पर ऐसे निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा इंतजाम पुख्ता होने चाहिए थे ताकि किसी बड़ी अनहोनी से बचा जा सके। नपा अधिकारियों को चाहिए कि बीच बाजार कंडम भवनों को समय रहते गिराए ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके।

बाजार खुला था

मेन बाजार में जिस प्रकार से यह हादसा हुआ तो इस कारण सुरक्षा इंतजाम के दावों की पोल भी खुलती दिखाई दी। मकान गिरने के समय बाजार चल रहा था तथा वहां से सैकडों व्यक्ति गुजर रहे थे। ऐसे में यह हादसा बडा हो सकता था तथा इससे जानी नुकसान भी हो सकता था।

राहत अभियान चलाया

राहगीरों ने बताया कि जिस समय दुकान गिरी तो उस समय बाजार चल रहा था। एक बार तो यह सुनने में आया कि एक राहगीर युवती भी मलबे के नीचे है लेकिन उक्त युवती दबने से बाल बाल बच गई। मजदूर के मलबे के नीचे दबे होने से हा हाकार मच गया। तुरंत प्रभाव से दुकानदार व अन्य राहगीर मलबे को हटाने में जुट गए। सूचना मिलते ही पुलिस व अन्य टीम भी पहुंच गई तथा संयुक्त रूप से राहत अभियान चलाया गया। युवाओं ने शेष तीन मजदूरों व परिवार के सदस्यों को ऊपर से बाहर निकाला।

जींद। पुलिस गिरफ्त में वाहन चोरी के आरोपित। फोटो :हरिभूमि

चोरी की आठ मोटरसाइकिल सहित चार युवक गिरफ्तार

- पुलिस चारों से वाहन चोरी की वारदातों के बारे में पूछताछ जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

शहर थाना नरवाना पुलिस ने चोरी की आठ मोटरसाइकिल सहित चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपितों से वाहन चोरी की अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है।

थाना शहर नरवाना के प्रंबधक निरीक्षक ईशवर सिंह ने बताया कि गत 14 अगस्त को नेहरू पार्क से बाइक चोरी की शिकायत मिली थी। जिस पर मामला दर्ज कर लिया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसी टीवी फुटेज खंगाले और सूचना तंत्र सक्रिय किया और लगातार प्रयास करते हुए सूचना मिलने पर थाना लहरा जिला संगरूर पंजाब के एक मुकद्में में चोरी में शामिल चार आरोपितों को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की

पूछताछ जारी

पहचान दुग्गल खुर्द जिला पटियाला पंजाब निवासी वकील सिंह, हरनेक सिंह उर्फ रिंकू, निशान सिंह उर्फ वारिस, पटियाला निवासी विजय कुमार के रुप में हुई है। पकड़े गए आरोपितों की निशानदेही पर चोरीशुदा आठ मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं। पकड़े गए आरोपितों को अदालत से पुलिस रिमांड हासिल करके चोरी की अन्य वारदात बारे गहनता से पूछताछ की जा रही है।

स्कीम नंबर 19 में जमीन पर अवैध कब्जा करने का प्रयास

जींद। स्कीम नंबर 19 में कुछ शरारती तत्वों द्वारा जमीन पर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया। जिस पर लोग लामबंद हो गए। मामले की सूचना मिलने पर अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। बाद में लोगों ने शिकायत डीसी कार्यालय में दी है। ज्ञापन के माध्यम से स्कीम नंबर 19 निवासी नितीन शर्मा, जयभगवान, संजय कुमार व बालकिशन ने कहा कि पिछले कुछ समय से स्कीम नंबर 19 की जमीन के बारे में विवाद चाल रहा है। उन्होंने कहा कि जमीन नगर सुधार मंडल जींद द्वारा अधिग्रहित की गई थी। परंतु राजस्व रिकॉर्ड में जमीन पुराने मालिकों के नाम ही चलती रही। इसका पूर्व मालिकों के वारिसों ने फायदा उठाकर जमीन का इंतकाल अपने नाम करवा लिया। परंतु सच्चाई का पता लगने के बाद यह सभी इंतकाल राजस्व विभाग द्वारा खारिज कर दिए गए।

जींद : धमकी से परेशान युवक ने स्प्रे पीकर मौत को लगाया गले

- छह लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव ढिगाना में पड़ोसियों की धमकी से खफा युवक ने स्प्रे पीकर आत्महत्या कर ली। जुलाना थाना पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर दो महिलाओं समेत छह लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव ढिगाना निवासी राहुल (28) ने गत 11 सितबर देर रात को अपने घर में संदिग्ध हालात के चलते जहरीला पदार्थ निगल लिया। जिसे पहले नागरिक अस्पताल तथा बाद में गंभीर हालात में पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर जुलाना थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया। बताया जाता है कि गांव ढिगाना की एक महिला ने आरोप लगाते हुए मृतक के खिलाफ महिला थाने में शिकायत दी हुई थी। मृतक को घटना वाले दिन पूछताछ के लिए थाना भी बुलाया गया था। मृतक के पिता शिवकुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गावं का ही प्रकाश परिवार उसके बेटे को परेशान कर रहा था और धमकी दे रहा था।

नशेड़ी ने पुलिस कर्मी से की मारपीट, वर्दी फाड़ डाली

कलायत। शीर्ष अधिकारियों के निर्देश पर लाल-नीली बत्ती, प्रैसर होरन व बुलेट पटाखा वाहनों की जांच के लिए देर रात्रि अभियान चला रही पुलिस टीम पर 15-20 लड़कों द्वारा हमला करने का मामला सामने आया है। घटना उस समय हुई जब पुलिस कर्मी रात्रि करीब 10 बजे बस अड्डा के पास मौजूद थे। थाना प्रबंधक रामनिवास ने बताया कि दौरान न्यू रेड मून होटल के सामने शराब के नशे के प्रभाव में 15-20 लडकों ने पुलिस के साथ मारपीट की। पुलिस स्टेशन में तैनात पीएसआई रवि की शिकायत पर उक्त युवकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसएचओ ने बताया कि पुलिस कर्मचारीयों के साथ मारपीट करने, वर्दी फाडने, जान से मारने की धमकी देने व सरकारी डयूटी में बाधा पहुंचाने सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

कैथलः 61. 390 किलोग्राम डोडापोस्त बरामदगी मामले में सप्लायर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

नशा तस्करों की जड़ मूल तक पहुंचते 61 किलो 390 ग्राम डोडापोस्त पोस्त सप्लाई मामले की जांच एंटी नारकोटिक सैल प्रभारी एसआई राजबीर सिंह की अगुवाई में एसआई जोगिंद्र सिंह की टीम द्वारा करते आरोपी गांव सालवन जिला करनाल निवासी साहिल को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 9 अगस्त की रात्रि एंटी नारकोटिक सैल प्रभारी एसआई राजबीर सिंह की टीम द्वारा हरिगढ किंगन निवासी जयभगवान उर्फ जैबा को उसके मकान पर दबिश देकर गली में से गाड़ी सहित काबू किया था। जिसके कब्जे में गाड़ी में रखे 3 प्लास्टिक कट्टो से 61 किलो 390 ग्राम डोडापोस्त बरामद हुआ था। आरोपी के खिलाफ थाना चीका में मामला दर्ज करके आगामी कार्रवाई एसआई जोगिंद्र सिंह द्वारा अमल में लाई। आरोपी जयभगवान का व्यापक पूछताछ के लिए 5 दिन पुलिस रिमांड हासिल किया था। आरोपी जयभगवान ने पूछताछ दौरान कबुल किया कि उसको यह डोडापोस्त साहिल उपरोक्त द्वारा उपलब्ध करवाया गया था।

कार की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति की मौत

कैथल। कैथल के गांव उझाना में तेज रफ्तार एक कार ने मोटरसाइकिल पर जा रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार की मौत हो गई। इस संबंध में परिजनों ने कार ड्राइवर के खिलाफ सदर थाना में शिकायत दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। अर्जुन नगर, कैथल निवासी कपिल कुमार ने सदर थाना में दी शिकायत में बताया कि, 11 सितंबर को उसका 50 वर्षीय पिता सुरेश कुमार अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव उझाना की ओर गया था। रात करीब आठ बजे वह जैसे ही गांव उझाना में मुख्य मार्ग पर पहुंचा तो सामने से आ रही कार उसके पिता की बाइक को टक्कर मार दी। जिससे उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद कार ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

दरवाजे टूटे, टूंटी नही, महिलाओं को आ रही सबसे ज्यादा परेशानी

नागरिक अस्पताल में 11 लाख से बने शौचालय पर ताला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में करोड़ों रुपये की लागत से इमारतें तो बना दी गई हैं लेकिन मरीजों को शौचालय की मूलभूत सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए बनाए गए शौचालय की व्यवस्था नही हो पा रही है। शव गृह के पास ही वर्ष 2011 में 11 लाख रुपये की लागत से महिला व पुरूष के लिए अलग-अलग शौचालय बनवाया गया था। शुरू में तो इस शौचालय का रखरखाव ठीक से रखा गया। फिर इसे बंद कर दिया गया। बाद में आमजन के दबाव में इसे खोला भी गया लेकिन अब इस शौचालय की व्यवस्था ठीक से न होने के चलते यह उपयोग लायक भी नही है। ऐसे में अस्पताल में आने वाले लोगों ने शौचालय व्यवस्था को लेकर रोष जताया है। जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल की बात की जाए तो यहां प्रतिदिन 1800 तक की ओपीडी होती है। इसके अलावा आधार कार्ड अपडेट करवाने सहित अन्य कार्य करवाने के लिए भी सैंकडों लोग आते हैं। इसके साथ ही पोस्टमार्टम के लिए भी लोग आते हैं। पोस्टमार्टम रूम के पास ही शौचालय बनवाया गया है लेकिन रखरखाव के अभाव में यह शौचालय उपयोग करने लायक नही है। कई बार तो इसमें पानी ही नही रहता। अब तो शौचालयपर ताला लगा दिया है। नागरिक अस्पताल में आए रवि, सुनील, विजेंद्र ने बताया कि शव गृह के पास बनाए गए शौचालय व्यवस्था का जनाजा निकला हुआ है। पुरानी बिल्डिंग में ही इमरजेंसी वार्ड व लैब भी है। रात के समय आपातकालीन स्थिति में मरीज व उनके परिजनों को इमरजेंसी वार्ड में रूकना पड़ता है। वहीं लैब में मरीजों के सैंपल लेकर जांच होती है। ऐसे में यहां मरीजों की भीड़ रहती है। मरीजों का कहना है कि शौचालयों में साफ.-सफाई की व्यवस्था होनी चाहिए।

मामला संज्ञान में, व्यवस्था दुरूस्त होगी

नागरिक अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि शव गृह के पास शौचालय एडीसी कार्यालय की ओर से बनवाया गया है। शौचालय को लेकर संबंधित विभाग से पत्राचार किया गया है। प्रयास किया जाएगा कि शौचालय को ठीक करवाया जाए। इसके साथ ही अस्पताल परिसर में अन्य शौचालयों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त करवाया जाएगा। इसके लिए सफाई कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाएंगे ताकि आमजन को किसी तरह की परेशानी न हो।

सीवन। लोगों की समस्याएं सुनते विधायक देवेंदर हंस। फोटो :हरिभूमि

समस्याओं का समाधान करने के निर्देश

सीवन। हलका विधायक देवेंद्र हंस ने अपने कार्यालय में लोगों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही अधिकारियों को फोन किया व समाधान करने के निर्देश दिए। इसके बाद एक पत्रकार वार्ता में हलका विधायक देवेंद्र हंस ने कहा कि यह वही डबल इंजन की सरकार है, जो जनता से विकास के नाम पर वोट लेती है और बाद में डबल भ्रष्टाचार का इंजन स्टार्ट कर देती है। जनता को वायदा किया था कि अच्छे दिन का, लेकिन मिला भ्रष्टाचार का युग। भाजपा नेताओं की जुबान पर विकास है, लेकिन जेबों में घोटाले के कागज भरे पड़े हैं। नौजवान सड़कों पर रोजगार की तलाश में भटक रहा है, और बुजुर्ग पैंशन के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। सच्चाई यह है कि भाजपा का डबल इंजन एक इंजन महंगाई चलाता है, दूसरा भ्रष्टाचार। हलका विधायक देवेंद्र हंस ने कहा कि भाजपा सरकार की उपलब्धियां केवल विज्ञापनों और मंचों की चकाचौंध तक सीमित हैं।

खबर संक्षेप

फ्री हेल्थ चैकअप कैंप 21 सितंबर को

नरवाना। अग्रवाल वैश्य समाज शाखा नरवाना द्वारा आगामी 21 सितंबर को फ्री हेल्थ चैकअप कैंप आयोजित किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष अर्जुन गोयल ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में संस्था द्वारा आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नरवाना में फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस कैम्प में आर्टेमिस अस्पताल के सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की टीम द्वारा रोगियों का चैकअप किया जाएगा तथा दवाइयां बताई जाएगी।

देवीलाल सम्मान दिवस का दिया न्योता

जींद। इनेलो पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष पूर्व मंत्री रामपाल माजरा ने अनेकों गांव में जाकर रोहतक में मनाए जा रहे ताऊ देवीलाल के सम्मान दिवस समारोह के लिए सभी नेता व कार्यकर्ता लोगों को निमंत्रण देने पंहुचें। लोगों को वहां सम्मान दिवस पर ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने का निवेदन करने के साथ उन्होंने बताया कि इस बार हरियाणा प्रदेश के लोगों ने कांग्रेस को सत्ता सौंपने का मन बना लिया था लेकिन आपसी फूट व भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बीजेपी को अंदरखाते मदद करने ले चलते स्वयं ही उन्होंने सत्ता से हाथ धो लिया।

वरिष्ठ नागरिक परिषद की बैठक आयोजित

जींद। वरिष्ठ नागरिक परिषद की मासिक बैठक प्रधान बूटा सिंह पूनिया की अध्यक्षता में हुई। इसमें प्रोफेसर दलबीर सिंह खर्ब के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया। बैठक में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर कृष्ण लाल द्वारा दी गई चार लाख रुपये की ग्रांट मिलने पर पौधारोपण पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके लिए पांच सदस्यों की कमेटी बनाई गई। इसमें महासचिव चंद्रप्रकाश मलिक, डा. शमशेर मलिक, प्रिंसिपल प्रीतम सिंह बैनीवाल, ब्रहमजीत देशवाल और दलजीत सिंह को शामिल किया गया।

कला केंद्र के कुलदीप सिंगला प्रधान मनोनित

नरवाना। श्री भारतीय कला केंद्र द्वारा शनिवार को बैठक की गई। जिसमें संस्थापक रामकुमार गर्ग पर रामनिवास जैन होंगे। गौरतलब है कि यह दोनों नाम राम कुमार गर्ग व रामनिवास जैन को संस्थापक इसलिए बनाया गया है कि सन 1973 में जब श्री भारतीय कला केंद्र की स्थापना की गई थी तो सर्वप्रथम यह दोनों चेहरे इस कला केंद्र से जुड़े थे। वहीं सरपरस्त ज्ञानाराम, संरक्षक एसके सिंगला, देवी लाल मोयल, प्रमोद शर्मा, दिनेश गोयल, सतीश सेतिया, अंशुल गोयल, शशिकांत शर्मा होंगे। प्रधान पद के लिए कुलदीप सिंगला, वरिष्ठ उप प्रधान राम अवतार, उप प्रधान उपेंद्र गर्ग, अनिल गुप्ता, आशीष सान्याल, जतिन रहेंगे।

रोइंग चैंपियनशिप में 3 खिलाड़ियों का चयन

जींद। गत 13 अक्तूबर से 19 अक्तूबर तक वियतनाम में होने वाली सीनियर रोइंग एशियन चैंपियनशिप में हैबतपुर स्थित रोइंग एकेडमी के तीन खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इसमें दो महिला खिलाड़ी शामिल हैं। लक्ष्य लाइट वेट क्वॉड पुल इवेंट, सुमन वूमेन पेयर इवेंट और किरण वूमेन फॉर इवेंट में हिस्सा लेंगी। कोच चांद चहल ने कहा कि रोइंग में हरियाणा के खिलाड़ियों में तीन ओलिंपियन हुए हैंए जिसमें दो अर्जुन अवॉर्डी शामिल है।

हिंदी कविता लेखन कार्यशाला आयोजित

नरवाना। सनातन धर्म महिला महाविद्यालय नरवाना के सभागार में शनिवार को हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग द्वारा हिंदी कविता लेखन कार्यशाला का आयोजन करवाया गया । इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की कार्यकारी प्राचार्या डॉ नयनदीप ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ जगदीप राहीए कविता लेखन विशेषज्ञ एवं प्राध्यापक राजकीय वमवि धरोदी रहे। कार्यशाला की शुरुआत मां सरस्वती के दीप प्रजनन के साथ हुई। मंच संचालन डॉ शालू गर्ग ने किया।

राष्ट्रीय सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक मनाया जाएगा

सरकारी योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचाना सेवा पखवाड़ा का उद्देश्य

नरवाना विस क्षेत्र में होंगे जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजितः कृष्ण बेदी

प्रधानमंत्री के जन्मदिन के उपलक्ष में होंगे कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नरवाना। कार्यक्रम को संबोधित करते मंत्री बेदी। *फोटो :हरिभूमि*

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रदेश में 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक राष्ट्रीय सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा। यह पखवाड़ा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष में प्रदेशभर में उत्साह एवं हर्षोउल्लास के साथ चलाया जाएगा। इस पखवाड़ा के दौरान नरवाना विधानसभा क्षेत्र में भी जन कल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सरकारी योजनाओं का आमजन तथा समाज के अन्तिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना और अंत्योदय कल्याण इस पखवाड़ा का मुख्य उद्देश्य रहेगा। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी शनिवार को विश्वकर्मा धर्मशाला के सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री अपने जीवन के 75 वर्ष पूरे कर रहे हैं। उनके जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक प्रतिदिन जनसेवा को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भर भारत, महिला सहशक्तिकरण, गरीब उत्थान, ग्रामीण विकास, सामाजिक समरस्ता तथा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के प्रति जन जागृति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित होंगे। इस दौरान लोगों को एक पेड़ मां के नाम, बहन के नाम तथा बेटे के नाम लगाने और उसका संरक्षण करने के प्रति प्रेरित किया जाएगा ताकि ग्लोबल वार्मिंग तथा औद्योगिकरण के युग में बढ़ते प्रदूषण पर अंकुश लगाया जा सके और पर्यावरण संरक्षण किया जा सके। इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के 750 गांवों को चिन्हित किया गया है, जिनमें स्वास्थ्य कैंप, स्वच्छता अभियान, सामाजिक सेवाओं एवं योजनाओं का जन-जन तक लाभ पहुंचाना, पेयजल, बिजली आपूर्ति, शिक्षा व्यवस्था जैसे तमाम मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगीं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रत्येक कार्यक्रम में सरकार व प्रशासन के साथ आमजन की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। इसी दौरान ब्लॉक एवं उपमंडल स्तर पर दिव्यांगों की सहायता के लिए शिविर लगाए जाएंगे।

स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का आह्वान

हथकरघा एवं हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक व्यक्ति यथाशक्ति स्वदेशी वस्तुओं की खरीद भी करें ताकि प्रधानमंत्री के आत्म निर्भर भारत एवं लोकल फॉर वोकल की अवधारणा को बल मिल सके। राजस्व व शहरी स्थानीय निकाय विभाग इस दौरान स्वामित्व योजना के तहत लोगों को मालिकाना हक दिलवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में मौजूदा राज्य सरकार पूर्णतयाः गरीब, मजदूर एवं किसान के साथ खड़ी है। भारी बरसात तथा जलभराव से हुए नुकसान की पूरी भरपाई सरकार द्वारा की जाएगी। इसके लिए प्रभावित गांवों व कस्बों में ईक्षतिपूर्ति पोर्टल पर नुकसान का आनलाईन ब्यौरा लिया जा रहा है।

मोदी विश्व में लोकप्रिय-धाकड़ पीएम : कंडेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा सहकारी श्रम व निर्माण प्रसंग के पूर्व अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता टेकराम कंडेला ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय व धाकड़ नेता माने जाते हैं। जब भी वह विदेशों के दोरे पर जाते हैं, सभी देशों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं और उनके स्वागत के लिए लोगों की भारी भीड़ जमा हो जाती है व भारत देश की पैरवी को मजबूती से दूसरे देशों के सामने रखते हैं। आज इसलिए भारत का डंका विदेशों में भी बज रहा है। पाकिस्तान की हुकूमत को छिपने के लिए जगह नहीं मिलती है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री सही समय पर सही निर्णय लेते हैं। जिस तरह से देश में जीएसटी की नई दरें लागू की है 28, 18, 12 और 5 प्रतिशत इसमें गरीब आदमी व मध्यम वर्ग के लोग व ऊपरी स्तर के लोगों को व सभी देशवासियों को इसका फायदा हुआ है, यह एक सराहनीय कदम है। कंडेला ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल में धारा 370 को हटाना, देश में रक्षा बजट को बढ़ाना, किसान सम्मान निधि लागू करना, तीन तलाक को खत्म करना, फसल बीमा योजना लागू करना, राम मंदिर का निर्माण करना जैसे ऐतिहासिक फैसले लिए हैं, जो नरेंद्र मोदी ही पूरी तरह से सक्षम हैं।

इंडिया गठबंधन लुटेरों का गिरोह

कंडेला ने इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि यह एक लुटेरों का गिरोह है, जो देश में लूट मचाने के लिए इक_े होते हैं लेकिन लोगों ने उनके मंसुबे को पहचान लिया है। संविधान के नाम पर व वोट चोरी के नाम पर देश को गुमराह करना चाहते हैं। इन लोगों का मानसिक संतुलन खराब हो चुका है व देश में अशांति फैलाना चाहते हैं लेकिन भारत के लोग इनके इन मनसुबों को कामयाब नही होने देंगे। आने वाले बिहार के विधानसभा चुनाव में एनडीए की सरकार बनेगी व इंडिया गठबंधन का पूरी तरह से सफाया हो जाएगा। कंडेला ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी की बढ़ती लोकप्रियता से हरियाणा की विपक्षी नेताओं की नींद हराम हो चुकी है। मुख्यमंत्री कि कार्यशैली व लोगों से सीधी मुलाकात करना हर आदमी को रास आ रहा है व हरियाणा प्रदेश की सभी प्रकार की समस्याओं को दिन रात लोगों के बीच में रहकर उनका समाधान कर रहे हैं।

जींद। कार्यशाला में भाग लेते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला

जींद। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल जींद में श्छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला डीएवी पब्लिक स्कूल की प्राचार्या रश्मि विद्यार्थी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यशाला की शुरुआत की गई। इस कार्यशाला में डीएवी विद्यालयों के लगभग 61 शिक्षकों ने भाग लिया। डीएवी प्राचार्या रश्मि विद्यार्थी ने कार्यशाला के विषय में कहा कि विद्यालय में इस प्रकार की कार्यशालाएं निरंतर लगाई जाती है। छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के विषय में उन्होंने कहा कि आज की तेज रफ्तार और प्रतिस्पर्धी दुनिया में छात्रों पर पढ़ाई, करियर और सामाजिक अपेक्षाओं का दबाव लगातार बढ़ रहा है। इस कारण मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं युवाओं में बढ़ती जा रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य उतना ही जरूरी है जितना शारीरिक स्वास्थ्य ।

शिक्षा से वंचित बच्चों को कदम योजना से मिलेगा लाभ : पंघाल

जींद। जींद जिले में शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षा मिले। इसके लिए विभाग व ह्यूमन पीपल टू पीपल इंडिया द्वारा कदम कार्यक्रम के तहत शिक्षा देने की पहल की गई है। इसके लिए जिलास्तर पर बैठक लेकर प्रशिक्षण दिया गया। समग्र शिक्षा अभियान कार्यालय में जींद जिले के विभिन्न खंड के आउट ऑफ स्कूल बच्चों के लिए चल रहे विशेष प्रशिक्षण केंद्र में शिक्षा दे रहे एजुकेशन वालंटियर के लिए कदम कार्यक्रम के तहत तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिला परियोजना संयोजक रितु पंघाल ने किया। एपीसी अशोक कुमार व एजुकेशन वालंटियर राममेहर ने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए जिला जींद में लगभग 802 ड्रॉप आउट आउट ऑफ स्कूल बच्चों के लिए 31 स्पेशल ट्रेनिंग सेंटर बनाए गए हैं। इनके एजुकेशन वालंटियर कार्यक्रम को मजबूती से चलाने के लिए ट्रेनिंग का आयोजन किया।

विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

जींद। राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में जिला स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यअतिथि के रूप में डीएचईओ सत्यवान मलिक ने शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में विज्ञान के महत्व पर अपने विचार सांझा करते हुए कहा कि 21वीं शताब्दी विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। विज्ञान के माध्यम से मनुष्य सुविधापूर्वक जीवन व्यतीत करना सीखता है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत चंद्रयान का सफल परीक्षण करके विश्व में अपनी छाप छोड़ चुका है। उन्होंने बताया कि समय-समय पर इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन होना चाहिए। क्योंकि विज्ञान प्रतियोगिता कोई योग्यता नही बल्कि एक पाठ्येतर गतिविधि है। संयोजिका मुकेश रेढू ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी के संयोजन से किया गया। जिला जींद के विभिन्न कॉलेज की 13 टीमों ने भाग लिया। स्क्रीनिंग के बाद आठ टीमें प्रतियोगिता का हिस्सा रही।

जींद। राष्ट्रीय लोक अदालत में मौजूद न्यायाधीश। *फोटो :हरिभूमि*

सेवा सदन में रक्तदान शिविर 19 को

जींद। अर्बन एस्टेट स्थित एचकेसीएल कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र में महात्मा गांधी शिक्षा एवं समाज विकास संगठन के तत्वावधान में हरियाणा नॉलेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचकेसीएल) के सहयोग से स्वास्थ्य एवं रक्तदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने शिरकत की। उन्होंने छात्रों को रक्तदान के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। जो न केवल किसी जरूरतमंद की जान बचाता है बल्कि रक्तदाता के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। रक्तदान करने से शरीर में नई रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है। आयरन का संतुलन बना रहता है और हृदय रोगों का खतरा कम होता है। उन्होंने सभी स्वस्थ व्यक्तियों से नियमित रक्तदान करने का आह्वान किया।

जींद। कार्यक्रम में प्राचार्या के साथ मौजूद छात्राएं। *फोटो :हरिभूमि*

सवा दो करोड़ की सेटलमेंट राशि तय

जींद। राष्ट्रीय एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला न्यायालय जींद तथा उपमंडल न्यायालय नरवाना व सफीदों में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह राष्ट्रीय लोक अदालत जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डा. चंद्रहास के मार्गदर्शन में आयोजित हुई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मोनिका ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न पीठों के माध्यम से 11,954 मामलों में से 10,258 मामलों का निपटारा किया गया। जिनमें दो करोड़ 23 लाख 66 हजार 200 रुपये की सेटलमेंट राशि तय की गई। इस अवसर पर जिला स्तर पर गठित चार पीठों में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश शिफा करण सिंह, प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट कीर्ति जैन, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अमित सिहाग, अतिरिक्त सिविल जज सीनियर डिवीजन विवेक सिंह ने मामलों का निपटारा किया।

जींद। युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक करते राजकुमार भोला।

बीकॉम तृतीय वर्ष से सुहानी रही प्रथम

जींद। हिंदू कन्या कालेज के वाणिज्य विभाग द्वारा हायरड या फायरड मास्टरिंग इंटरव्यू स्किल्स फॉर बैटर एम्पलॉयबिलिटी विषय पर एक विशेष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम मोर ने की। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्षा डा. उपासना ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में इंटरव्यू देने की क्षमताए आत्मविश्वास एवं रोजगार योग्य दक्षताओं को विकसित करना है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को न केवल इंटरव्यू का वास्तविक अनुभव मिलेगा बल्कि उन्हें वर्तमान समय के महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे डिजिटल इंडिया व स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं पंचायती राज आदि विषयों पर अपने विचार रखने का भी अवसर मिलेगा।

जींद। प्रतियोगिता में विजेता रही टीमें। *फोटो :हरिभूमि*

जींद। टीबी मरीजों को किट देते स्वास्थ्यकर्मी। *फोटो :हरिभूमि*

टीबी के मरीजों को दे रहे मुफ्त दवाइयां

जींद। गांव बेलरखा में शनिवार को टीबी के मरीजों को न्यूट्रिशन किट बांटी गई। एमपीएचडब्ल्यू प्रदीप भारद्वाज ने बताया कि सरकार द्वारा डॉटस कार्यक्रम के तहत टीबी के मरीजों को मुफ्त दवाइयां दी जाती हैं तथा उनके पोषण के लिए सरकार द्वारा आर्थिक सहायता भी दी जाती है। बार-बार बुखार होना, लगातार, दो सप्ताह तक खांसी, बलगम के साथ खून आना, निरंतर वजन कम होना, रात के समय छाती में जलन व दर्द के साथ पसीना आना, इम्युनिटी कमजोर होना आदि सभी टीबी के लक्षण हैं। यदि किसी भी व्यक्ति में इस प्रकार के लक्षण दिखाई दें तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में अपने बलगम की जांच अवश्य करवाएं। यह सभी स्वास्थ्य केंद्रों में निशुल्क होती है। यदि जांच में टीबी निकलती है तो इसका प्रत्येक गांव में स्वास्थ्य केंद्र के द्वारा निशुल्क इलाज किया जाता है। आज किसी कड़ी में गांव बेलरखा के टीबी के आठ मरीजों को न्यूट्रीशन किट प्रदान की गई। जिसमें दाल, चावल, गुड़, नमक आदि राशन दिया गया ताकि मरीज को संतुलित आहार मिल सके।

पेंशनरों की मांगों को पूरा करे सरकार

- कैशलेस मेडिकल सुविधा का पत्र जारी किया जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। बैठक में भाग लेते पेंशनर्ज। *फोटो :हरिभूमि*

पुलिस लाइन में पुलिस कर्मचारी एसो की बैठक प्रेम सिंह बांगड़ की अध्यक्षता में हुई। जिसका संचालन मिया सिंह ने किया। बैठक में पुलिस पैंशनर्ज व कर्मचारियों की मांगो बारे विचार किया गया और सरकार से मांग की गई कि पुरानी पैंशन लागू की जाए।

सरकार द्वारा कैशलेस मेडिकल सुविधा का पत्र जारी करके अमलीजामा दिया जाए ताकि सरकार द्वारा की गई घोषणाएं सिर्फ घोषणाएं न रह जाएं। पैंशनरों की उम्र 65-70-75 होने पर 10-15-20 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की जाए, जैसा कि अन्य राज्यों मे लागू है। मेडिकल भत्ता एक हजार से बढा कर तीन हजार किया जाए। क्योंकि बड़ी उम्र में दवाइयों पर ज्यादा खर्च आता है। केंद्र सरकार द्वारा घोषित की गई तीन प्रतिशत महंगाई भत्ते की किश्त हरियाणा सरकार द्वारा भी जुलाई 2021 से लागू की जाए तथा 2020 व जून 2021 तक का मंहगाई भत्ते की किश्तों का बकाया छह प्रतिशत ब्याज सहित दिया जाए। जैसा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश किया हुआ है। पुलिस विभाग में सरकार द्वारा स्थायी भर्ती की जाए। क्योंकि जो संख्या घट रही है उससे कानूनी व्यवस्था पर असर पड़ रहा है।

नरवाना। सुनील गोयल को सम्मानित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

श्रेष्ठ समाजसेवी पुरस्कार से नवाजे शिक्षक सुनील

नरवाना। गीता ज्ञान संस्थान कुरुक्षेत्र में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में नरवाना के शिक्षक सुनील गोयल को श्रेष्ठ समाजसेवी के पुरस्कार से अलंकृत किया गया। उन्हें यह पुरस्कार मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी व संत हरिओम दास के कर.कमलों द्वारा प्राप्त हुआ। मानव मित्र मंडल सचिव नरेश वत्स ने जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षक सुनील गोयल को यह सम्मान महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए गए प्रयासों के बदौलत दिया गया। सुनील गोयल मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बेलरखां में गणित के प्राध्यापक हैं। महिलाओं को निशुल्क प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने व उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में उनके प्रयास सराहनीय रहे हैं। इसके अतिरिक्त रक्तदान, वृक्षारोपण, निशुल्क चिकित्सा व्यवस्था जैसे कार्यों में भी उनका अमूल्य योगदान रहता है।

कार्यक्रम मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में प्रथम सत्र की परीक्षाएं जल्द प्रारंभ होगी

मन शांत, आत्मविश्वास प्रबल हो तो परीक्षा में सफलता अटल : प्राचार्य रविंद्र कुमार

परीक्षा डरने की चीज नहीं परिश्रम और क्षमता को परखने का माध्यम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में प्रथम सत्र की परीक्षाएं प्रारंभ होने जा रही हैं। विद्यालय में परीक्षा के पूर्व विद्यार्थियों को मानसिक रूप से तैयार करन, एसकारात्मक सोच विकसित करने और आत्मविश्वास को सशक्त बनाने के लिए विद्यालय के प्राचार्य ने विद्यार्थियों को परीक्षा के तनाव से दूर रहते हुए मन को स्वस्थ और आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए प्रेरक संदेश दिया। प्राचार्य रविंद्र कुमार ने कहा कि परीक्षा जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह केवल अंकों का नहीं बल्कि हमारी मेहनत, अनुशासन और समय प्रबंधन की परीक्षा भी है। यदि विद्यार्थी संतुलित मन, स्वस्थ दिनचर्या और दृढ़ आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में बैठते हैं तो वे निश्चित ही सफलता प्राप्त करेंगे। उन्होंने समझाया कि पढ़ाई के साथ-साथ स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी आवश्यक है। पौष्टिक भोजन, पर्याप्त नींद और नियमित अभ्यास से स्मरण शक्ति बढ़ती है तथा तनाव कम होता है। पढ़ाई, आराम और मनोरंजन में संतुलन बनाना जरूरी है। अपने अंदर आत्मविश्वास पैदा करें और मैं कर सकता हूं का भाव रखें। परीक्षा को बोझ न मानें बल्कि यह सीखने और आगे बढने का अवसर है। प्राचार्य ने यह भी कहा कि अभिभावक और शिक्षक मिलकर विद्यार्थियों के मनोबल को ऊंचा रखें। बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डालें बल्कि उन्हें उत्साह और सहयोग दें।

आत्मविश्वास हमारी सबसे बड़ी पूंजी

प्राचार्य ने विद्यालय के आदर्श वाक्य श्विद्या विनयेन शोभते की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को सच्चे मन से पढ़ाई करने और आत्म अनुशासन को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। यदि हम खुद पर विश्वास रखेंगे तो हर चुनौती को पार कर सकते हैं। परीक्षा डरने की चीज नहीं है यह तो आपके परिश्रम और क्षमता को परखने का माध्यम है। मन को शांत रखें, आत्मविश्वास बनाए रखें और अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ते रहें। सफलता निश्चित ही आपके कदम चूमेगी।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे और जानकारी देता स्टाफ।

भाषा की शान, हमारी पहचान : कौर

जींद। इंडस पब्लिक स्कूल जींद जूनियर विंग में हिंदी दिवस का उत्सव पूरे उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। हिंदी दिवस हर वर्ष 14 सितंबर को मनाया जाता है। क्योंकि इसी दिन 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में अपनाया था। इस अवसर पर सुबह की प्रार्थना सभा में अध्यापिकाओं द्वारा एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई जिसका उद्देश्य हिंदी के प्रति छात्रों में देशभक्ति और गर्व की भावना पैदा करना था। मुख्याध्यापिका गुरमीत कौर ने कहा कि सभी भाषाओं का सम्मान करते हुए हमें अपनी राष्ट्रभाषा पर गर्व करना चाहिए और इसे संवारने और संरक्षित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। हमें अपनी मातृभाषा हिंदी पर गर्व करना चाहिए और इसके प्रचार-प्रसार में योगदान देना चाहिए। हिंदी केवल एक भाषा नही बल्कि हमारी भावनाओं, संस्कारों और एकता की अभिव्यक्ति है।

खबर संक्षेप

परिवर्तन की शुरुआत स्वयं से होती है: वीना कुमारी

राजौंद राजकीय महाविद्यालय राजौंद में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता सम्पन्न हुई । परिवर्तन की शुरुआत स्वयं से होती है यह प्रेरणादायी संदेश मुख्य अतिथि वीना कुमारी, सेवानिवृत्त जिला उच्च शिक्षा अधिकारी जींद तथा प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय अलेवा ने दो दिवसीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विद्यार्थियों को दिया।

गोशाला को हरे चारे की ट्रॉली भेंट की

सीवन। भारत विकास परिषद शाखा सीवन ने शनिवार सुबह गौशाला सीवन में सेवा कार्य करते हुए गौमाता के लिए हरे चारे की ट्रॉली भेंट की। यह सेवा कार्य गौशाला प्रधान नरेंद्र सैनी के आग्रह पर किया गया। परिषद की ओर से वहां गायों की सेवा में लगे कर्मचारियों के लिए जलपान की विशेष व्यवस्था भी की गई।

एमडीएन स्कूल में प्रशिक्षण सत्र का सफल आयोजन

कैथल। एमडीएन ग्लोबल स्कूल, कैथल में सीबीएसई प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का विषय 'वैल्यू एजुकेशन' रहा, जिसका संचालन सीबीएसई पंचकूला की ओर से रिसोर्स पर्सन डॉ. शिवाली शर्मा एवं पंखुरी वालिया ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक डॉ. विनोद कुमार, चैयरपर्सन निधि कांसल, मैनेजर गौरव गर्ग एवं प्राचार्य डॉ. सन्त कौशिक ने दीप प्रज्वलन कर किया। सत्र के दौरान रिसोर्स पर्सन ने बताया कि मूल्य शिक्षा केवल पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं है बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण की सबसे मजबूत नींव है।

किठाना कॉलेज में मनाया हिंदी दिवस

राजौंद । किठाना कॉलेज में आज हिंदी दिवस बड़े उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया।इस दौरान प्राचार्या डॉ. निर्मल सिंहरोहा ने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और पहचान की आत्मा है। हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया।इसके पश्चात विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता, कविता पाठ, निबंध लेखन एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

हिन्दी एक अत्यंत वैज्ञानिक भाषा: डॉ. अमिता राणा

पूंडरी । चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय में हिन्दी विभाग की ओर से हिन्दी दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अमिता राणा ने की। उन्होंने कहा कि हिन्दी एक अत्यंत वैज्ञानिक भाषा है, जैसी लिखी जाती है वैसी ही बोली जाती है। यह केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति और पहचान का अभिन्न हिस्सा है। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. रीना गोरा ने कहा कि आज हिन्दी न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी अपनी अलग पहचान बना चुकी है।

कराटे खेल के ट्रायल 15 सितंबर को: राज रानी

कैथल । जिला खेल अधिकारी राज रानी ने बताया कि सरकार द्वारा खेल महाकुम्भ-2025 में खेलों को बढ़ावा देने के लिए कराटे खेल को शामिल किया गया है। जिसमें सीनियर श्रेणी में लड़के व लड़कियां के खेल करवाए जाने है।

पद्मश्री महाबीर गुड्डू ने जमाया रंग

फल्गु लोककला महोत्सव के लोकगायन कार्यक्रम में दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

कैथल। लोक कलाकार महावीर गुड्डू को सम्मानित करते पदाधिकारी।

कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा एवं फल्गु मंदिर सुधार समिति के संयुक्त तत्वावधान में फल्गु तीर्थ पर तीन दिवसीय लोककला महोत्सव के दूसरे दिन लोकगायन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ रामपाल सैनी, कुलपति, चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद, अध्यक्षता पद्मश्री महाबीर गुड्डू और विशिष्ट अतिथि डॉ ऋषिपाल, प्राचार्य, जनता कॉलेज कौल ने दीप प्रज्वलित से किया। जिसके बाद अतिथियों और कलाकारों का स्वागत आयोजक समिति की ओर से फूल माला, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह से किया गया।

लोकगायन कार्यक्रम की शुरुआत में लोकगायक सुरेश भाणा ने फल्क ऋषि जी की वंदना प्रस्तुत की। जिसके बाद उन्होंने 'मर्द व्यवहारी न सरता कोन्या' की प्रस्तुति से श्रोताओं का मन मोह कर खूब तालियां बटोरी। लोकगायिका आरती जांगड़ा की 'घर मैं गंगा बहण लागरी ' रागनी की प्रस्तुति श्रोताओं को खूब भायी और उनकी प्रस्तुति के दौरान कई बार तालियां बजी। लोकगायक दिनेश किलोई ने रागनी 'आपणी आपणी चलती के मै ' और 'दो दो दिन का खेल जगत मैं' की प्रस्तुति दी। जिस पर दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। उनके बाद सुप्रसिद्ध हरियाणवी लोकगायिका राजबाला बहादुरगढ़ ने 'श्रद्धा करकै चालो भाइयो फल्गु जी पै जाणा' और ' दशरथ राजा तन्नै वचन भरया था' आदि बेहतरीन रागनियों की प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति से दर्शक खूब आनंदित नजर आये। लोकगायन कार्यक्रम की अन्य प्रस्तुति भी भक्ति रस और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रही। सानिया बहादुरगढ़ ने ' सौ सौ पड़े मुसीबत बेटा' की सराहनीय प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि डॉ. रामपाल सैनी ने हरियाणवी संस्कृति से ओतप्रोत फल्गु लोककला महोत्सव के आयोजन के लिए कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा एवं फल्गु मंदिर सुधार समिति को साधुवाद दिया।कार्यक्रम का समापन करते हुए दिनेश शर्मा ने तीसरे दिन के हास्य-मखौल और कवि सम्मेलन कार्यक्रम की जानकारी देने के बाद कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा से कार्यक्रम में उपस्थित संदीप नैन के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों में इंद्रप्रस्थ अध्ययन केंद्र नई दिल्ली से प्रो. मोनिका सेठी और प्रशांत, करनाल से अमित, दीपशिखा, सुबे सिंह आदि कार्यक्रम में पहुंचे जबकि संजीव राणा पहुचे।

समिति का धन्यवाद व्यक्त किया

कार्यक्रम अध्यक्ष पद्मश्री महाबीर गुड्डू ने सामाजिक और संस्कृति से ओत-प्रोत प्रस्तुति पर लोक कलाकारों की प्रशंसा की और 'गंगा जी तेरे खेत मै' की प्रस्तुति भी दी। उन्होंने लोकगायन संध्या के सुंदर आयोजन पर कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा एवं फल्गु मंदिर सुधार समिति का धन्यवाद व्यक्त किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. ऋषिपाल ने कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम के कलाकारों की प्रस्तुति और श्रोताओ के अनुशासन की प्रशंसा की। फल्गु मन्दिर सुधार समिति की ओर से सभी आमंत्रित अथितियों, लोकगायकों और श्रोताओं का धन्यवाद किया गया।

कैथल : 70 पुलिस कर्मचारियों को मिलेगा प्रमोशन और पेंशन का लाभ

- एएसआई और एसआई रैंक के कर्मचारी होंगे लाभान्वित, कुछ रिटायर्ड को भी मिलेगा फायदा
- रोहतक रेंज का आदेश रद्द, डीजीपी को तीन माह में उचित निर्णय का निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने कैथल जिले के पुलिस कर्मचारियों के पक्ष में बड़ा आदेश सुनाते हुए रोहतक रेंज द्वारा जारी सीनियरिटी और प्रमोशन से जुड़े विवादित आदेश को रद्द कर दिया है। अदालत ने साफ किया कि कैथल पुलिसकर्मियों की वरिष्ठता और प्रमोशन का निर्णय केवल करनाल रेंज कर सकता है। इस फैसले से कैथल के करीब 70 पुलिस कर्मचारियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा, जिनमें एएसआई और एसआई रैंक के अधिकारी शामिल हैं। इनमें से कुछ कर्मचारी अब सेवानिवृत्त भी हो चुके हैं।

मामला सब-इंस्पेक्टर मोहिंदर सिंह और अन्य कर्मचारियों द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता कर्मवीर सिंह बनयाना ने अदालत में दलील दी कि उनके मुवक्किल वर्ष 2004 से 2008 के बीच कैथल जिले में हेड कांस्टेबल के रूप में कन्फर्म हुए थे। जबकि उनके जूनियर साथियों को वर्ष 2009 से 2011 के बीच करनाल और पानीपत में कन्फर्म किया गया था। इसके बावजूद 2019 में रोहतक रेंज ने सीनियरिटी सूची बदलते हुए जूनियर्स को सीनियर बना दिया और उन्हें एंटीडेटेड प्रमोशन भी दे दिए।

कैथल के पुलिस कर्मचारियों ने किया आदेश का स्वागत

कैथल पुलिस लाइन और थानों में तैनात कर्मचारियों ने हाईकोर्ट के इस आदेश का स्वागत किया है। उनका कहना है कि यह फैसला न केवल वर्षों से लंबित उनके हक की बहाली है बल्कि इससे उनका मनोबल भी ऊँचा होगा। कर्मचारी संगठनों ने भी अदालत के इस निर्णय को ऐतिहासिक करार देते हुए सरकार से अपील की है कि आदेश का पालन समय पर और बिना देरी के किया जाए।

हाईकोर्ट का यह आदेश केवल कैथल पुलिसकर्मियों पर लागू होगा। इससे यह भी साफ हो गया है कि सीनियरिटी और प्रमोशन को लेकर भविष्य में किसी अन्य रेंज को कैथल के कर्मचारियों के मामले में हस्तक्षेप करने का अधिकार

रोहतक की सम्मान दिवस रैली रचेगी नया इतिहास

पूंडरी । इनेलो हलका प्रधान सुरजीत पबनावा ने कहा कि चौ. देवीलाल की 112वीं जयंती पर रोहतक में आयोजित होने वाली सम्मान दिवस रैली हरियाणा की राजनीति में नया अध्याय लिखेगी। यह रैली अब तक की सबसे बड़ी और सबसे प्रभावशाली राजनीतिक रैली होगी, जो प्रदेश की जनता की भावनाओं का सच्चा प्रतिबिं ब बनेगी। सुरजीत पबनावा ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश का हर वर्ग—किसान, मजदूर, व्यापारी, कर्मचारी, युवा और बेरोजगार—आज निराशा के अंधकार में है। महंगाई लगातार आसमान छू रही है, कि सानों को उनकी फसल का पूरा दाम नहीं मिल रहा, युवाओं को रोजगार के नाम पर केवल धोखा दिया जा रहा है।

गांव में कोई भी व्यक्ति भ्रूण लिंग जांच नहीं करवाएगा : कृष्णा देवी

राजौंद । उपस्वास्थ्य केंद्र नंद करण माजरा में तेलुराम की अध्यक्षता में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गांव के सरपंच श्याम सिंह गांव के सभी पांचों आंगनवाड़ी की वर्कर आंगनवाड़ी हेल्पर आशा वर्कर गांव की एएनएम कृष्णा देवी, स्वास्थ्य कार्यकर्ता विनोद कुमार व गांव की महिलाएं शामिल हुई।इस दौरान कृष्णा देवी ने सभी को बताया हमारे समाज में लड़कों की अपेक्षा लड़कियां कम पैदा हो रही है,जो समाज के हित में नहीं है। इसलिए हम सब ने आज एक शपथ लेनी है कि हमारे गांव में कोई भी व्यक्ति भ्रूण लिंग जांच नहीं करवाएगा और न ही अपने किसी जानकार को इस काम को करने देंगा। उन्होंने कहा कि आज बेटियां बेटों से किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है चाहे वह खेल का क्षेत्र हो, शिक्षा का क्षेत्र हो ,व्यवसाय का क्षेत्र सभी में लड़कियां लड़कों से आगे निकल गई हैं। इसलिए हम आज कन्या भ्रूण हत्या न करवाने की शपथ लेते हैं। इस काम में गांव की सभी आशा वर्कर आंगनवाड़ी वर्कर हेल्पर सभी अपने गांव की गर्भवतियों पर निगरानी रखेंगे और उनकी समय-समय पर घर की विजिट करते रहेंगे ।

जल्द शुरू की जाए मोटी धान की खरीद

पाई किसान नेताओं ने सरकार से मोटी धान की भर्ती 40 किलो करने के साथ-साथ तत्काल ही खरीद शुरु करने की मांग की है। किसान नेता होशियार सिंह, अजीत सिंह हाबड़ी, बलवान पाई, करतारा, महावीर नरड़ आदि ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों की मोटी धान की खरीदने के बाद बोरियों में भरती 37.5 किलो की कि जाती है। कई आढ़ती 500 ग्राम की जगह 800 ग्राम से एक किलों का प्रयोग करते है, जिससे किसानों को 300 से 500 ग्राम प्रति कट्टे का नुकसान होता है। उन्होंने बताया कि जिन मंडियों में बाटों के साथ तोल होता है, वहां पर 500 ग्राम के बाट की जगह ईंट व पत्थर के टुकड़ों का प्रयोग होता है और किसानों को कहा जाता है कि छोटे बाट नही है।

तबादला नीति पर स्थिति स्पष्ट करे सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

- जल्द तबादला नीति लागू कर सभी अध्यापकों और बच्चों को न्याय दिलाएं

हसला के प्रदेश सचिव सुरेश रविश।

हरियाणा सरकार ने शिक्षा विभाग में ऑनलाइन तबादला नीति जो कई वर्षों से लागू की हुई है वह अब फेल होती नजर आ रही है। इस बारे हसला के राज्य सचिव सुरेश राविश ने कहा कि जैसे कि देखा जा रहा है पिछले तीन वर्षों से किसी भी अध्यापक का तबादला नहीं हुआ है और जेबीटी अध्यापकों का तो काफी लंबे समय से कोई भी तबादला यह सरकार नहीं कर पाई है। ऐसा न करने से बहुत सी दिगते राज्य के सरकारी विद्यालयों में देखने को आ रही है। उन्होंने बताया कि एक विद्यालय ऐसा है जहां पर छात्रों की संख्या बहुत अधिक है और अध्यापक कम है क्योंकि वहां से कुछ अध्यापक सेवानिवृत हो गए हैं या उनकी पदोन्नति होकर किसी दूसरे विद्यालय में चले गए हैं कुछ ऐसे विद्यालय भी हैं जहां पर अध्यापक अधिक है और बच्चे कम है अर्थात वह अध्यापक उनके वर्कलोड के अनुसार संख्या अधिक है। उन्होंने कहा कि यह बच्चों के साथ और अध्यापकों के साथ भी बहुत बड़ा अन्याय है। सरकार को चाहिए कि जल्द से जल्द तबादला नीति लागू कर सभी अध्यापकों और बच्चों को न्याय दिलाया जाए। उन्होंने बताया कि सरकार ने तबादला नीति के लिए अनेक बार योजना बनाई, लेकिन वह फेल हुई। इससे बहुत से अध्यापक लंबे समय से अपने गृह जिले और परिवार से दूर रह रहे हैं। जिसके कारण उन्हें बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। हालांकि उनके घर के पास ही उस विषय की पोस्ट और पद खाली पड़े हैं। उसी विषय के अध्यापक एनीव्हेयर में गए हुए हैं और कुछ अध्यापक पदोन्नति के बाद दूसरे जिलों में ही नहीं 200 से 300 किलोमीटर की दूरी पर कार्य कर रहे हैं ।

हिंदी में रोजगार के अपार अवसर निहित : डा. मॉन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

- राधा कृष्ण सनातन धर्म कालेज में हिंदी दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी राधा कृष्ण सनातन धर्म महाविद्यालय, कैथल के हिंदी विभाग (प्रातःकालीन सत्र) द्वारा हिंदी दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पाँच प्रतियोगिताएं – काव्य-पाठ, भाषण, लघु कहानी लेखन, शुद्ध–अशुद्ध (भाषाई शुद्धता प्रतियोगिता) तथा पोस्टर निर्माण/चित्र प्रदर्शनी – आयोजित की गईं। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पित कर की गई और इसका संचालन कैलाश ने किया। अध्यक्ष अश्वनी शोरवाला, राष्ट्रीय विद्या समिति एवं महाविद्यालय की गवर्निंग बॉडी ने हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग को अपनी शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित कीं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजबीर पराशर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए गए और उनका स्वागत विभागाध्यक्ष डॉ. आर.पी. मॉन सहित विभाग के सभी सदस्यों ने पुष्पगुच्छ देकर किया।

सुरेंद्र पहलवान प्रधान, सचिव बने सुरेश

- सर्व कर्मचारी संघ। ब्लॉक स्तरीय सांगठनिक प्रतिनिधि सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

नवचयनित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते उच्चाधिकारी।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा का ब्लॉक स्तरीय त्रिवार्षिक सांगठनिक प्रतिनिधि सम्मेलन जवाहर पार्क में आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता निवर्तमान ब्लॉक वरिष्ठ उपप्रधान सुरेंद्र पहलवान ने व मंच संचालन ब्लॉक सचिव मास्टर नारायण दत्त ने किया।

जिसमें विभिन्न विभागों के सैकड़ों कर्मचारियों ने भागीदारी की। सम्मेलन का उदघाटन जिला प्रधान शिवचरण ने किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान केन्द्र और राज्य सरकार कर्मचारियों की मांगों का समाधान करने के प्रति बिल्कुल भी गंभीर नहीं हैं। हरियाणा में तो भाजपा की तीसरी बार सरकार बनने के बावजूद पिछले 11 सालों के दौरान कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की कोई भी पॉलिसी नहीं बनाई गई बल्कि पहले से बनी हुई पॉलिसीयों को रद्द कर दिया गया है।

उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी का किया समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारत की कम्युनिस्ट पार्टी, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी)लिबरेशन, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक सभी पांचों वामपंथी दलों ने , उपराष्ट्रपति पद के लिए न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी (सेवानिवृत्त) की उम्मीदवारी का समर्थन किया हैं, जो सभी विपक्षी दलों की ओर से चुनाव लड़ रहे हैं। न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी एक प्रख्यात न्यायविद हैं, जिन्हें भारतीय संविधान के मूल मूल्यों - लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और समानता - के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए व्यापक रूप से सम्मान के साथ देखा जाता है। माकपा के राज्य सचिव कामरेड प्रेम चंद ने प्रेस के नाम विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव केवल संख्याओं का मामला नहीं है। यह भारत के भविष्य पर दो मौलिक रूप से भिन्न दृष्टिकोणों के बीच एक संघर्ष का प्रतिनिधित्व करता है - क्या हमारा राष्ट्र धर्मनिरपेक्षता को कायम रखते हुए एक संवैधानिक लोकतंत्र के रूप में बना रहेगा।

अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित किया

अधीक्षक सुरेश शर्मा और सुशील शर्मा को सम्मानित करते पदाधिकारी।

कैथल । भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी ने विश्व फर्स्ट डे ओर जलवायु परिवर्तन थीम के साथ हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल टिंबर मार्केट कैथल में मनाया गया। प्रोग्राम के मुख्य अतिथि सुरेश कौशिक जिला शिक्षा विभाग के अधीक्षक ने हेल्थ चेकअप कैंप का शुभारंभ किया और बच्चों को भविष्य में ऊंचाइयों पर पहुंचने के लिए अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यदि हमारे बच्चे अच्छी ऊंचाइयों पर पहुंचते हैं तो इसमें उन बच्चों के मां-बाप का नाम भी रोशन होता है। इस अवसर पर साइंस प्राध्यापक सुशील कुमार ने पर्यावरण पर प्लास्टिक का प्रयोग न करने की सलाह दी।

कर्ण कालड़ा बने सतर्कता समिति के सदस्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

अधिवक्ता कर्ण कालड़ा को नियुक्ति पत्र सौपते पदाधिकार

कैथल जिला बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव व अधिवक्ता कर्ण कालड़ा को आज एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा की अनुशासन एवं सतर्कता समिति का सह-सदस्य (को-ओपटेड मेंबर) नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति पंजाब एंड हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश संदीप मौदगिल और बार काउंसिल के वरिष्ठ पदाधिकारियों के विश्वास और समर्थन का प्रतीक है। उनकी यह नियुक्ति बार काउंसिल के सदस्य राजकुमार चौहान की विशेष सिफारिश पर हुई है, जिन्होंने कर्ण कालड़ा पर अपना विश्वास जताया।

जाट पीजी महाविद्यालय कैथल में फ्रेशर पार्टी का आयोजन

मिस फ्रेशर का खिताब रूमी-मिस्टर का खिताब तरसेम को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। जाट पीजी महाविद्यालय में फ्रेशर पार्टी के दौरान उपस्थित पदाधिकारी ।

जाट पीजी महाविद्यालय कैथल के धन्ना भक्त ऑडिटोरियम हॉल में फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। जाट हाई स्कूल सोसाइटी के प्रधान राजकुमार बेनीवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर स्नातक तृतीय वर्ष कक्षा छात्रों ने मुख्य अतिथि व जाट हाई स्कूल सोसाइटी कार्यकारिणी सदस्यों का तिलक लगाकर स्वागत किया। तत्पश्चात प्राचार्य एवं शिक्षक गणों का तिलक लगाकर स्वागत किया। स्नातक प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं का भी तिलक लगाकर स्वागत किया गया। मंच का संचालन डॉक्टर संदीप कुमार धालीवाल ने किया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि राजकुमार बेनीवाल व डॉ दिनेश सिंह ढिल्लों ने देवी सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके पार्टी का शुभारंभ किया।

सभी छात्र-छात्राएं अपने-अपने टाइटल पर खूब झूमे

राजकुमार बेनीवाल ने कहा कि फ्रेशर पार्टी का मुख्य उद्देश्य नए छात्रों का कॉलेज समुदाय में गर्म जोशी से स्वागत करना है जिससे वह सहज महसूस करें, वरिष्ठ छात्रों से जुड़े, आत्मविश्वास बढ़े और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। यह पार्टी नए और वरिष्ठ छात्रों के बीच भाईचारे का संबंध बनाने कॉलेज के माहौल को जानने और यादगार पल बनाने का एक मंच प्रदान करती है। प्राचार्य डॉ. दिनेश सिंह ढिल्लों ने भी अपने संबोधन में मुख्य अतिथि व प्रथम वर्ष के छात्रों का कॉलेज में स्वागत किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वह इस तरह के अवसरों का फायदा उठाएं व इसके माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें। फ्रेशर पार्टी के अवसर पर जाट हाई स्कूल सोसाईटी के उप प्रधान बलजिंदर सिंह बनवाला, महासचिव एडवोकेट रश्मि दुल, कोषाध्यक्ष बलकार नैन एवं कार्यकारिणी सदस्य डॉ. सत्यवान माजरा , महावीर राविश,दलवीर कैरो,महावीर कुंडू, विक्रम सिंह, सन्नी चौशाला,राजपाल गुहणा, जसवीर मानस, रजत रापड़िया, स्वतंत्र पाल सुशील कुमार ने भी बच्चों के मंगल भविष्य की कामना की। इस प्रेशर पार्टी में मिस फ्रेशर का खिताब रूमी व मिस्टर फ्रेशर का खिताब तरसेम को दिया गया। इस मौके पर डॉ लाभ सिंह चौहान, मोनिका मान , डॉ. सीमा, प्रो सुधीर सिंह, प्रो सुखबीर सिंह, डॉ प्रोमिला कुंडू, डॉ रेणुका, डॉ राजेश कुमार, सुशील कुमार सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में किया 5396 मामलों का निपटारा

कैथल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल की अध्यक्ष एवं अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायधीश डा. अमित गर्ग की देखरेख में न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया और लोगों को प्रेरित किया कि लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों को निपटा कर लोक अदालत का फायदा उठायें। इस लोक अदालत में डा. नन्दिता कौशिक, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायधीश, दवेन्द्र सिंह, प्रधान न्यायधीश, पारिवारिक न्यायालय, विरेन काद्यान, अतिरिक्त सिविल न्यायधीश (सिनियर डिविजन), संदीप कौर सिविल न्यायधीश (जूनियर डिवीजन), जसमीत कौर सिविल न्यायधीश (जूनियर डिवीजन), कैथल और राजविन्द्र सिंह सिविल न्यायधीश (जूनियर डिवीजन) गुहला डिविजन के बैंच गठित किये गये थे।

सूचना

मैं, केला देवी पत्नी श्री सुरत सिंह निवासी आदर्श कालोनी, जुलाना, तहसील जुलाना, जिला जींद बयान करती हूं कि मेरा पुत्र सुनील मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

सौंगल में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जागरूकता कार्यक्रम

राजौंद । गांव सौंगल में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भगवान वामन तीर्थ कमेटी संबंध कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के प्रधान धर्मपाल महला समाजसेवी ने की। उन्होंने गांव की मौजूद महिलाओं, एएनएम कार्यकर्ताओं, आशा वर्करों व स्वास्थ्य विभाग के सभी कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि गांव में लिंगानुपात व लड़कियों की शिक्षा से संबंधित जागरूकता अभियानों में उनकी संस्था बढ़ चढ़कर कर भाग लेती है और भविष्य में भी तन मन धन से सहयोग करेगी।

मकान का तोड़ा ताला जेवर और नगदी चोरी

जींद। शहर की रामबीर कालोनी में बीती रात चोरों ने एक मकान का ताला तोड़कर सोने व चांदी के जेवरात तथा नगदी को चोरी कर लिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। रामबीर कालोनी निवासी प्रदीप ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने उसके घर का ताला तोड़ दिया। जब उसने मकान की जांच की तो सोने और चांदी के आभूषण, दस हजार रुपये की नगदी गायब मिली। शहर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जींद से स्वदेशी अपनाओ, देश बचाओ संकल्प यात्रा शुरू

जींद। स्वदेशी जागरण जींद द्वारा स्वदेशी अपनाओ, देश बताओ संकल्प यात्रा शुभारंभ गोपाल विद्या मंदिर जींद से शुरू हुआ। यात्रा मेन बाजार से होते शिव चौक पर संपन्न हुई। यात्रा में डिप्टी स्पीकर के पुत्र रुद्राक्ष मिड्ढा, जिला संघ संचालक तिलक, मंच के प्रांत संगठन मंत्री कुलदीप पूनिया, युवा प्रमुख अजय राणा, सेवा भारती हरियाणा प्रांत लेखा प्रमुख रविंद्र सिंह, जिला प्रचारक मुरारीलाल, डा. राजेंद्र गुप्ता एवं जिला संयोजक संदीप गर्ग विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बारिश का साइड इफेक्ट : लोक निर्माण विभाग का अनुमान, 156 किलोमीटर सड़क पर होगा पेचवर्क

क्षतिग्रस्त सड़कों की अतिशीघ्र सुनिश्चित करें मरम्मत समीक्षा बैठक में अधिकारियों को डीसी ने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

वाहन चालकों का सफर और सुगम बनेगा। इसके लिए डीसी मोहम्मद इमरान रज्जा ने अधिकारियों की बैठक लेकर क्षतिग्रस्त सड़कों को जल्द से जल्द दुरूस्त करने के निर्देश दिए हैं। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने अधिकारियों को कहा कि बरसात के दौरान कुछ स्थानों पर सड़क मार्ग के खराब होने का अंदेशा है। ऐसे में सड़क तंत्र को और बेहतर बनाने के लिए विभागीय अधिकारी तत्परता से कार्य करें ताकि बेहतर सड़क तंत्र की सुविधा आमजन को आसानी से उपलब्ध हो सके। इस बैठक से पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ वर्चुअल बैठक कर बरसात के कारण टूटने वाली सड़कों की विस्तार से जानकारी ली और सभी क्षतिग्रस्त सड़कों को जल्द से जल्द दुरूस्त करने के निर्देश दिए। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि जिला में जरूरत अनुसार सड़क सुधार कार्य प्राथमिकता पर करवाए जा रहे हैं।

जींद । अधिकारियों की मीटिंग लेते डीसी।

इन विभागों के अधिकारियों को दिए निर्देश

डीसी ने लोक निर्माण विभाग, नगर निकाय, एसएसवीपी, एनएचएआई सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सड़कें मोटरेबल स्थिति में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे तथा मीडियन में उगी झाड़ियों को तुरंत हटाया जाए। राष्ट्रीय राजमार्गों पुलों के पास जितने भी लिंग रोड हैं, उन्हें तुरंत दुरूस्त किया जाएए ताकि आवागमन करने वालों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो। सड़क तंत्र को और मजबूत बनाने के लिए ऐसी योजना बनाई जाए कि जिन सड़क मार्ग पर पानी भरता है वहां भविष्य में ऐसी समस्या न आए। सड़क के साथ जिन स्थानों पर ड्रेन बनाने की आवश्यकता है, वहां ड्रेन बनाई जाए और जिन सड़कों पर पानी खड़ा हो जाता है उसे ऊंचा उठाया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता और समय का विशेष ध्यान रखा जाए। अधिकारी समय.समय पर निर्माण सामग्री की जांच करते रहे। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आवश्यकता अनुसार सड़कों की विशेष मरम्मत (स्पेशल रिपेयर) भी की जाए।

जिले में 780 किमी. सड़क

जिले में लोक निर्माण विभाग की लगभग 780 किलोमीटर की सड़क है। इनमें से 156 किलोमीटर पर पेचवर्क का अनुमान लगाया है। इसके लिए वर्क ऑर्डर जल्द जारी किया जाएगा। एचएसएमबी की कुल 15 किलोमीटर की नौ सड़कें हैं। जिसकी अनुमानित लागत तय कर ली गई है। एचएसआईडीसी की नरवाना उपमंडल में लगभग साढ़े पांच किलोमीटर लंबी सड़कें है इन सभी सड़कों पर पेंच वर्क कार्य चल रहा है।

कैथल: खराब सड़कों पर डीसी सख्त, ठीक करने के आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिले में खराब सड़कों को तुरंत ठीक करने के निर्देश जारी किए हैं। सड़कों को लेकर वीसी के माध्यम से समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जिले में कई सड़कों का जिक्र करते हुए तुरंत ठीक करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने ढांड में महाराजा अग्रसेन चौक से बिजली घर चौक तक, गुहला में बौपुर से पंजाब बॉर्डर तक, कैथल से करनाल रोड, कैथल शहर में सेक्टर 18, 19, 20 व 21 की सड़कें, नगर परिषद क्षेत्र के तहत आने वाली सड़कों, अमरगढ़ गामड़ी व फ्रांसवाला रोड और पाई में पूंडरी-राजौंद रोड के बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में सड़कों को ठीक करने के लिए जो भी काम किया जाना है, वह तुरंत करें। जिसकी मरम्मत की जा सकती है, उसकी तुरंत मरम्मत की जाए और जिसके टेंडर लगाकर दोबारा से बनाना है, उसे फिर से बनाया जाए। डीसी प्रीति ने मार्केटिंग बोर्ड, लोक निर्माण विभाग, स्थानीय निकाय विभाग व एचएसवीपी के अधिकारियों द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर मुख्यमंत्री को अवगत करवाया दिया गया है।

तुरंत काम शुरू करवाएं अधिकारी: डीसी

डीसी प्रीति ने यह भी कहा कि सड़क निर्माण के साथ-साथ माननीय मुख्यमंत्री महोदय के निर्देशानुसार अधिकारी सड़कों के सौंदर्यकरण को जरूर सुनिश्चित करें। सड़कों के किनारे जो भी नियमानुसार सौंदर्यकरण के लिए उपाय हों, वह पूरे किए जाएं। जिन सड़कों के टेंडर हो गए है, उन पर तुरंत काम शुरू करवाएं। जिन सड़कों के टेंडर होने है, इस प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। हरपथ एप पर आने वाली गड्ढों की जानकारी मिलने पर तुरंत उन्हें भरवाने का काम करें। डीसी प्रीति ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री सड़कों की स्थिति को लेकर गंभीर हैं। उन्होंने निर्देश जारी किए है कि आमजन को सड़कों के कारण कोई परेशानी न हो। इसलिए अधिकारी गंभीरता से सड़कों के गड्ढों को भरवाएं, जहां नवनिर्माण होना है, उनके टेंडर लगवाएं। वे स्वयं अधिकारियों के साथ सड़कों का निरीक्षण करेंगी। यदि किसी तरह की लापरवाही मिली तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गुणवत्ता से समझौता नहीं स्वयं करेंगी निरीक्षण

सड़क निर्माण व विकास कार्यों में प्रयोग होने वाली सामग्री की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। वे स्वयं निरीक्षण कर क्वालिटी जांचेंगी। बौपुर रोड की बरम को ठीक करवाया जा रहा है। फ्रांसवाला रोड की मरम्मत करवा दी गई है। कैथल-करनाल रोड पर जल्द काम शुरू करवाया जाएगा। सेक्टरों के अंदर सड़कों के लिए मरम्मत के टेंडर लगा दिए गए हैं। जल्द ही काम शुरू करवा दिया जाएगा। शहर के अंदर सभी 31 वार्डों की सड़कों की रिपोर्ट लेकर जरूरत अनुसार जल्द ही टेंडर लगाकर मरम्मत की जाएगी। डीसी ने यह भी बताया कि पाई में पूंडरी-राजौंद मार्ग का अवलोकन कर जल्द काम शुरू करवाया जाएगा। डीसी प्रीति ने मुख्यमंत्री द्वारा की गई समीक्षा के बाद शनिवार को अवकाश के बावजूद सड़कों से जुड़े विभागों के अधिकारियों की बैठक ली व विस्तार से सड़कों की स्थिति पर निर्देश जारी किए। अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा कि वे फील्ड स्टॉफ से जानकारी लेने के साथ-साथ स्वयं भी सड़कों का निरीक्षण करें। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जरूरत अनुसार सड़कों के जल्द से जल्द टेंडर लगाकर निर्धारित अवधी में उनका निर्माण कार्य पूरा करें।

जल्द लगाएं टेंडर

डीसी प्रीति ने कहा कि गुहला क्षेत्र में जलभराव के कारण विभिन्न विभागों की जो सड़कें खराब हुई हैं। उन्हें जल्द ठीक करवाया जाए। इसके अलावा भी जिले में सड़कों से जुड़े विभाग यह सुनिश्चित करें कि जो टेंडर लगाए जा रहे हैं, उन्हें जल्द से जल्द लगाएं। जिन सड़कों के टेंडर अलॉट किए जा चुके हैं, उन पर जल्द से जल्द काम शुरू करवाया जाए। ताकि आमजन को परेशानी न हो। इस अवसर पर जिला परिषद के सीईओ सुरेश रावश, एचएसवीपी के सीईओ वकील अहमद, डीएमसी कपिल, डीआरओ चंद्रमोहन, सोमवीर सिंह, वरुण कंसल, सुरेंद्र सिंह, सतपाल, सुशील कुमार, डीआईओ दीपक खुराना, डीआईपीआरओ नसीब सैनी मौजूद रहे।

आरकेएसडी कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

आरकेएसडी कॉलेज के सायंकालीन सत्र में हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर विविध सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन धूमधाम से किया गया।

कार्यक्रमों में कविता पाठ प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता, एकल अभिनय तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता शामिल रही। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजीव शर्मा ने किया। डॉ. कुसुम लता, प्रो दीपिका गुप्ता ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया। निर्णायक मंडल में डॉ. सुनील श्योंकद, डॉ. देवी लाल और डॉ. संयोगिता शर्मा शामिल रहे, जिन्होंने निष्पक्ष मूल्यांकन कर विजेताओं का चयन किया। प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे कविता पाठ प्रतियोगिताः अमन ने प्रथम, किरन ने द्वितीय और कुश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गायन प्रतियोगिताः मानसी ने प्रथम, सौरभ ने द्वितीय और शिक्षा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कैथल। प्रतियोगिता में विजेताओं को सम्मानित करते प्राध्यापक फोटो: हरिभूमि

सभी भाषाओं का करें सम्मान

समापन सत्र में प्राचार्य डॉ. राजबीर पाराशर व सायंकालीन सत्र के प्राचार्य प्रभारी डॉ. हरिंदर गुप्ता ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि सभी भाषाओं का सम्मान करना और उन्हें सीखना भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है। इस मौके पर डॉ अंकित गर्ग, डॉ. मनिका गुप्ता, डॉ. मीनू भूटानी, प्रो. रीना मक्कड़, प्रो. रंजू नरवानियां, प्रो. निधि बिंदलिश, प्रो. पूजा गोयल, प्रो. कनिका, प्रो. रेनू जांगड़ा, डॉ. मीनू अग्रवाल, प्रो. मीनाक्षी, प्रो. अमनदीप, कुश चौधरी, प्रो. पल्लवी तथा प्रो. नीलम सहित अन्य संकाय उपस्थित रहे।

शहर में वाल्मीकि भवन और छात्रावास के लिए जमीन उपलब्ध कराने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

प्रतिनिधि मंडल ने नप चेयरमैन डॉ. राज सैनी को सौंपा मांगपत्र

वाल्मीकि सभा जींद कार्यकारिणी ने जिलाध्यक्ष संजीव बधाना व बीजेपी नेता डा. भारत भूषण टांक की अगुवाई मे जींद शहर में भगवान वाल्मीकि भवन एवं छात्रावास निर्माण के लिए जमीन देने की मांग की। उन्होंने नप चेयरमैन डॉ. राज सैनी को मांगपत्र सौंपा। जिसमें जींद शहर में वाल्मीकि समाज के लिए मीटिंग व किसी भी तरह के सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने का कोई भी स्थान नहीं है। शहर में वाल्मीकि समाज की आबादी करीब 50 हजार है। इतनी बड़ी आबादी होने के बाद भी समाज के लिए कोई भी सार्वजनिक जगह न होना चिंता की बात है।

जींद। मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए।

अब तक डेंगू के 19 केस आ चुके हैं सामने

डेंगू के डंक पर प्रहार, विभाग के साथ पंचायतों ने कसी कमर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अलेवा

जिले में स्वास्थ्य विभाग को डेंगू के 19 केस मिल चुके हैं। बारिश के मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग व पंचायतों ने डेंगू के डंक पर प्रहार के लिए कमर कस ली है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने नगूरां तथा चांदपुर गांव के सरपंच राजेश नरवाल व मोनिका के साथ मिलकर शुक्रवार देर रात तक गांवों में फोगिंग करवाई। टीम का नेतृत्व कर रहे स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र ढांडा ने बताया कि डेंगू से बचने के लिए अपने आसपास घरों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। इस दौरान टीम ने फोंगिग के अलावा डेंगू-मलेरिया रोधी अभियान के तहत होदी, कूलर, टंकी, फ्रीज की ट्रे, छतों पर पड़े कबाड़, नारियल के खोल, प्लास्टिक की बोतल व टायर आदि की गहनता से जांच की। इसके अलावा टीम ने घरों के सामने गंदे पानी की गलियों में काला तेल, डीजल आदि डाला गया। चांदपुर गांव के सरपंच राजेश नरवाल व नगूरां गांव की सरपंच मोनिका ने लोगों को आह्वान किया कि अपने-अपने घरों के आसपास सफाई का विशेष ध्यान रखें तथा डेंगू मलेरिया के लक्षण मिलते ही तुरंत नजदीक के सरकारी अस्पताल में जांच करवाएं।

चांदपुर गांव में देर रात को फोङ्क्षगग करता स्वास्थ्य कर्मचारी कुलदीप सिंह।

चलाई मुहिम

नगूरां पीएचसी के कर्मचारियों द्वारा लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए देर रात तक जो डेंगू के मच्छर के लारवा को खत्म करने की जो मुहिम चलाई जा रही है। वह काबिले तारिफ है। इस अवसर पर स्वास्थ्य कर्मचारी कुलदीप सिंह के अलावा गांव के अनेक लोग उपस्थित थे।

शराब ठेका बंद करने की मांग, दिया धरना

जींद । परशुराम चौक पर वार्ड 22 के पार्षद प्रतिनिधि बलबीर सिंह श्योराण के नेतृत्व में कालोनीवासियों ने धरना दिया। बलबीर सिंह श्योराण ने बताया कि अर्बन एस्टेट सेक्टर 11 के सी ब्लॉक में नया शराब ठेका, हत्था परशुराम चौक के निकट खाली पड़ी हुडा विभाग की जमीन पर न खोला जा रहा है।

जोकि सही नही है। शराब ठेका बंद करवाने के लिए पहले भी धरना दिया गया था और रोष व्यक्त किया गया था। बावजूद इसके ठेका खोलने को लेकर कार्रवाई जारी है। यहां शराब ठेका खुलने से आसपास क्षेत्र में माहौल खराब होगा। अर्बन एस्टेट सैक्टर चौक पर महिलाओं व बच्चों को स्कूल में आना-जाना रहता है। वहीं व्यायसिक महिलाएं भी आती-जाती हैं। घरेलू कार्य के लिए भी लोग यहां आते हैं।

झूठा श्रेय लेने आईं थी विनेश फौगाट, पूरे सीजन रही गायब, पहली बार दिखाया चेहराः योगेश बैरागी

मुख्यमंत्री ने नंदगढ़ में की थी घोषणा, पानी निकासी पर खर्च किए जाएंगे डेढ़ करोड़

- जलभराव से प्रभावित गांवों के खेतों में पहुंचे भाजपा प्रत्याक्षी रहे कैप्टन योगेश बैरागी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

भाजपा के पूर्व प्रत्याशी कैप्टन योगेश बैरागी ने जलभराव गांवों के खेतों का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। कैप्टन योगेश बैरागी ने शामलो कलां, गतौली, बुराडेहर, बराड़ खेड़ा, बुआना, राजगढ़, मालवी और देवरड़ गांव के खेतों का जायजा लिया। कैप्टन योगेश बैरागी ने कहा कि जलभराव के बाद यह उनका तीसरा दौरा है और जुलाना की विधायक एक बार आकर ही समाधान करवाने की बात करती हैं। जुलाना की विधायक ने जिस बुआना गांव के जलभराव की समस्या के समाधान की बात कही।

जींद। बराड़ खेड़ा गांव में किसानों से बात करते हुए कैप्टन योगेश बैरागी।

जल्द होगा समाधान

इसका समाधान जल्द ही करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जुलाना के नंदगढ़ गांव में गत 19 जुलाना को आयोजित रैली में डेढ़ करोड़ रूपये की घोषणा कर दी थी। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया के बाद पाइप लाइन बिछाने का काम शुरू किया जाएगा। 15 दिन पहले बुआना गांव में स्कूल, खेतों और तालाबों में भारी जलभराव था। प्रशासन के साथ मिलकर पानी को उतरवाया गया है। कैप्टन योगेश ने कहा कि सरकार सबका साथ, सबका विकास नीति के तहत हर वर्ग का एक समान विकास करवा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है।

नई बिल्डिंग के पीछे सिटी स्कैन सेंटर के सामने खाली जगह का हुआ चयन

नागरिक अस्पतालः पार्किंग बनाने पर खर्च होंगे 25 लाख

जमीन को समतल करने का काम शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालाय स्थित नागरिक अस्पताल में आने वाले वाहन चालकों को जल्द ही पार्किंग की सुविधा उपलब्ध होगी। अस्पताल प्रशासन ने पार्किंग के लिए जगह का चयन कर लिया है। नई बिल्डिंग के पीछे सिटी स्कैन सेंटर के सामने खाली जगह में लगभग 25 लाख की लागत से पार्किंग बनाई जाएगी। पार्किंग बनाने को लेकर यहां उगी झाड़ियों को साफ कर जगह को समतल किया जा रहा है।

पार्किंग बनने से अस्पताल में जगह-जगह खड़े होने वाले वाहनों से खड़ी होने वाली समस्या से निजात मिलेगी। इसके साथ ही आए दिन वाहन चोरी की वारदातों पर भी अंकुश लगेगा।

जींद। नागरिक अस्पताल की वह जगह, जहां पार्किंग का निर्माण होगा।

लंबे समय से चली आ रही पार्किंग की समस्या

नागरिक अस्पताल में पिछले काफी समय से पार्किंग सुविधा उपलब्ध करवाए जाने की मांग की जा रही थी। पार्किंग न होने से वाहन चोरी की वारदातें आम हो गई थी। किसी न किसी की बाइक व अन्य वाहन चोरी होने की शिकायतें अस्पताल प्रशासन के पास पहुंचती थी। अस्पताल में लंबे समय से चली आ रही समस्या अब हल होने की कगार पर है। जिला प्रशासन ने नई बिल्डिंग के पीछे सिटी स्कैन सेंटर के सामने स्थित खाली जगह को पार्किंग के लिए चिह्नित किया है। इस परियोजना पर लगभग 25 लाख रुपये की लागत से पार्किंग का निर्माण होगा। जिससे अस्पताल आने वाले मरीजोंए तीमारदारों और चिकित्सकों को बड़ी राहत मिलेगी। यह पार्किंग क्षेत्र काफी बड़ा है और यहां दर्जनों वाहन तथा टूव्हीलर आसानी से खड़े हो सकेंगे। वर्तमान में पार्किंग की कमी के कारण डॉक्टरों और स्टाफ को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डॉक्टरों को खुद ही चालकों के साथ मिलकर वाहन पार्क करने पड़ते हैं। जिससे अव्यवस्था बनी रहती है। कई बार तो लोग चिकित्सक पार्किंग में ही अपने वाहनों को खड़ा कर देते हैं। पार्किंग से वाहन हटवाने के लिए काफी समय भी बर्बाद होता है। आपातकालीन स्थितियों में देरी हो जाती है। यह नई सुविधा सभी के लिए वरदान साबित होगी।

निर्माण में पर्यावरण संरक्षण का रखा ध्यान : पीएमओ

जिला नागरिक अस्पताल के पीएमओ डॉ. रघुवीर पूनिया ने बताया कि पार्किंग का निर्माण कार्य दस से 15 दिनों में पूरा कर लिया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखा है और जिस जगह झाड़ियों को साफ किया जा रहा है, उनकी जगह नए पौधे लगाने की योजना है। पार्किंग से अस्पताल परिसर में सुरक्षा भी बढ़ेगी।

वेदांता इंटरनेशनल स्कूल की छात्राओं ने स्टेट एसोसिएशन गेम्स में किया शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

वेदांता इंटरनैशनल स्कूल कलौदा खुर्द की छात्राओं ने खेलों के क्षेत्र में एक बार फिर अपने प्रतिभा और संघर्ष का लोहा मनवाया है। विद्यालय की छात्राएं सिमरन पुत्री रणदीप और जस्स पुत्री रणदीप ने स्टेट एसोसिएशन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालयए परिवार और पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया। जहां सिमरन ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर सभी को गौरवान्वित कियाए वहीं उनकी बहन जस्स ने ताइक्वांडो प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल किया। इन दोनों छात्राओं का अब चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ हैए जहां वे हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह उपलब्धि विद्यालय और क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण क्षण है। मंच से छात्राओं को बधाई देते हुए विद्यालय के डायरैक्टर इंजीनियर प्रदीप नैन ने कहा कि हमारी छात्राओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि लगन और मेहनत से हर मंज़िल हासिल की जा सकती है। विद्यालय के लिए यह गर्व का विषय है कि हमारी बेटियां लगातार अपनी प्रतिभा से ऊंचाइयां छू रही हैं। हमें विश्वास है कि राष्ट्रीय स्तर पर भी वे स्वर्णिम इतिहास रचेंगी।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 14 सितंबर 2025

विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा हिंदी की जड़ें प्राचीन भारतीय आर्य भाषा परिवार की है, जिसकी जननी संस्कृत है। संस्कृत, जिसे 'देववाणी' भी कहा जाता है। इसकी विशिष्टताओं ने हिंदी को आज विश्व के कोने-कोने तक पहुंच दिया है। अगर इसके प्रसार के लिए कुछ और प्रयास किए जाएं तो निस्संदेह इसका वर्चस्व और भी बढ़ेगा।

हिंदी दिवस विशेष

भारत की आत्मा है हिंदी

{ आवरण कथा / भूपेंद्र शर्मा }

आज हिंदी भाषा भारत तक सीमित नहीं है। यह विश्व भर में एक सशक्त पहचान बना चुकी है। दुनिया के कई देशों में लाखों लोगों द्वारा बोली जाती है। भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में, हिंदी सीखने से भारतीय आबादी के एक बड़े हिस्से के साथ संवाद एवं जुड़ने का अवसर मिलता है। भारत की विविध संस्कृति, जीवंत अर्थव्यवस्था तथा समृद्ध विरासत हिंदी को यात्रा, कार्य एवं सांस्कृतिक खोज के लिए एक श्रेष्ठ माध्यम बनाती है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते प्रभाव के कारण हिंदी में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां, विशेष रूप से जिनके भारत में निर्माण, उत्पादन कार्य या ग्राहक हैं, उन कर्मचारियों को महत्व देती है, जो हिंदी में प्रभावी ढंग से संवाद कर सकते हैं। हिंदी सीखना करियर की संभावनाओं को बढ़ा सकता है, खासकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन, पत्रकारिता, अनुवाद एवं कूटनीतिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में।

क्षेत्रीय भाषाओं का प्रवेश द्वार

हिंदी का विकास कई चरणों में हुआ। अपभ्रंश से होते हुए, इसने अपनी वर्तमान पहचान बनाई। मध्यकाल में खड़ी बोली के रूप में इसने अपनी नींव रखी, जो आगे चलकर आधुनिक हिंदी का आधार बनी। हिंदी भारत में बोली जाने वाली विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं को समझने एवं सीखने के लिए एक प्रवेश द्वार की तरह है। बंगाली, मराठी, गुजराती एवं पंजाबी सहित कई भारतीय भाषाएं व्याकरण, शब्दावली तथा लिपि के मामले में हिंदी के साथ समानताएं साझा करती हैं।

फिल्म उद्योग तक पहुंच

भारतीय फिल्म उद्योग में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में फिल्मों का निर्माण होता है, जिन्हें भारत में ही नहीं, विश्व के अनेक देशों में देखा जाता है। हिंदी सिनेमा की विश्व में अद्भुत लोकप्रियता है। विदेशों में हिंदी के प्रसार में हिंदी फिल्मों का बड़ा योगदान है। हिंदी फिल्में, हिंदी गीत एवं टीवी शो की जीवंत दुनिया हिंदी सीखने वालों के लिए बड़ा सरल माध्यम है। वहीं इनके माध्यम से विश्वभर में फैले भारतीय प्रवासियों के साथ भारत एवं भारतीय संस्कृति के अटूट, मधुर संबंध स्थापित होते हैं। इसीलिए हिंदी को भारत की आत्मा कहते हैं।

विश्व में 61 करोड़ हिंदी भाषी

वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के अनुसार, हिंदी भाषा वर्तमान समय में 61 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है। विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस में स्थित है। यह सचिवालय हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए 11 फरवरी 2008 से कार्यरत है। हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर अखिल भारतीय भाषा साहित्य सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है।

राजभाषा विभाग के प्रयास

सन 2019 से सभी 59 मंत्रालयों में हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया गया। अब तक कुल 528 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन भी किया जा चुका है। विदेशों में भी लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई एवं पोर्ट-लुई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियां बनाई गई हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने की भी पहल की है। पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन बनारस में 13-14 नवंबर, 2021 को तथा 14 सितंबर 2022 को सूरत में दूसरा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस साल पुणे में तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। विभाग ने कुल 90 हजार शब्द का एक 'ई-महाशब्दकोष' मोबाइल एप तथा लगभग 9 हजार वाक्य का 'ई-सरल' वाक्यकोष भी तैयार किया है।

हिंदी की विशिष्टताएं

देवनागरी लिपि: हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है, जो देखने में मनमोहक और ध्वन्यात्मक रूप से सटीक है। इसमें 11 स्वर एवं 33 व्यंजन हैं, जिनमें प्रत्येक ध्वनि का अलग स्वर एवं उच्चारण है।

स्वर की लंबाई: हिंदी में कुछ स्वर ध्वनियों का उच्चारण विस्तारित अवधि के साथ किया जा सकता है, जिससे शब्दों का अर्थ बदल जाता है। उदाहरण के लिए, 'मा' का अर्थ 'मां' है, जबकि 'मान' का अर्थ 'सम्मान' है।

मानद रूप: हिंदी व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक संबोधित करने के लिए मानद रूपों को शामिल करती है। बड़ों, सम्मानित व्यक्तियों या उच्च सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों से बात करते समय सम्मानजनक सर्वनामों, क्रिया रूपों एवं वाक्य संरचनाओं का उपयोग भाषा के सांस्कृतिक प्रभाव को सम्मान एवं शिष्टाचार के साथ प्रदर्शित करता है।

लिंग वाली संज्ञा: हिंदी में संज्ञाओं के तीन लिंग हैं। पुल्लिंग, स्त्रीलिंग एवं नपुंसकलिंग। एक संज्ञा का लिंग अकसर विशेषणों, क्रियाओं तथा सर्वनामों के समझौते को निर्धारित करता है, जो इसके साथ उपयोग किए जाते हैं।

सर्वनाम का अंतर: हिंदी एकवचन के लिए औपचारिक एवं अनौपचारिक सर्वनामों के बीच अंतर करती है। औपचारिक सर्वनाम 'आप' का प्रयोग सम्मान दिखाने या उच्च पदस्थ व्यक्ति को संबोधित करने के लिए किया जाता है, जबकि अनौपचारिक सर्वनाम 'तुम' का प्रयोग समान सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों के साथ किया जाता है।

जटिल क्रिया प्रणाली: हिंदी की क्रिया प्रणाली में विभिन्न क्रिया रूप एवं काल हैं। क्रियाओं का संयोजन तनाव, पहलू, मनोदशा एवं विषय के साथ समझौते जैसे कारकों से प्रभावित होता है, जिससे भाषा की क्रिया संरचना जटिल तथा अभिव्यंजक हो जाती है।

संस्कृत का प्रभाव: हिंदी पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है। कई हिंदी शब्दों की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है, जो शब्दावली को समृद्ध करती है तथा भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं दार्शनिक परंपराओं के साथ गहरा संबंध प्रदान करती है।

ध्वनि विविधता: हिंदी में ध्वनियों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिसमें स्वर, व्यंजन एवं नासिक्य ध्वनियां हैं। इसकी ध्वन्यात्मक सूची विविध मधुर उच्चारण प्रवाहित करती है।

क्षेत्रीय विविधता: भारत के विभिन्न हिस्सों में हिंदी की विभिन्न क्षेत्रीय बोलियां तथा शैली है। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी शब्दावली, उच्चारण एवं व्याकरणिक विविधताएं हैं, जो हिंदी भाषी जनमन के भीतर भाषाई विविधता को दर्शाती हैं।

अभी अधूरा है विकास

हिंदी अपनी वैश्विक पहचान रखती है, किंतु इसके विकास के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

तकनीकी विकास: हिंदी में तकनीकी शब्दावली को अधिक विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग बढ़ सके।

मानकीकरण एवं सरलता: बोल-चाल एवं लेखन में एकरूपता लाने के लिए मानकीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक है।

सरकारी प्रोत्साहन: सरकार को हिंदी के उपयोग को सभी क्षेत्रों में बढ़ावा देना चाहिए, विशेषकर शिक्षा एवं प्रशासनिक कार्यों में।

वैश्विक मंचों पर उपयोग: अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने के प्रयास होने चाहिए। *

हिंदी दिवस और संविधान में स्थान

हिंदी दिवस मनाने का इतिहास भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है। 14 सितंबर 1949 को, भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया। यह निर्णय हिंदी को राष्ट्र की एकता के सूत्र के रूप में स्थापित करने के लिए लिया गया था। पहला हिंदी दिवस 1953 में मनाया गया। यह दिन हमें भाषा के महत्व और उसके संरक्षण की याद दिलाता है। भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा संबंधी उपबंध हैं। अनुच्छेद 120 (संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा) भाग 17 में अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, संसद में कार्य हिंदी में या अंग्रेजी में किया जाएगा। अनुच्छेद 343 (संघ की राजभाषा) संघ की राजभाषा हिंदी एवं लिपि देवनागरी होगी, संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय रूप होगा।

{ विचारणीय / लोकमित्र गौतम }

हिंदी को लेकर सहज नहीं युवा पीढ़ी

इसे विडंबना ही कहना चाहिए कि जिस हिंदी को बोलने, जिसमें मनोरंजन करने में युवा पीढ़ी खूब आनंद लेती है, उसे ही लिखने और पढ़ने में असहज रहती है। हालांकि इसके लिए सिर्फ वही नहीं जिम्मेदार है। ऐसे में इस समस्या के निराकरण के लिए परिवार, समाज से लेकर व्यवस्था तंत्र को भी विचार करना होगा।

भारत की कुल आबादी में से 65 फीसदी से ज्यादा युवा हैं, जिनकी उम्र 35 साल या इससे कम है। इनमें से 60 से 65 फीसदी युवा फर्राटे से हिंदी बोलते-समझते हैं। ये आमतौर पर हिंदी फिल्में भी देखते हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी हिंदी के कार्यक्रम चाव से देखते हैं। मगर इनकी एक ऐसी कमजोरी है, जिस पर आम लोगों का यकायक ध्यान नहीं जाता। इनमें से करीब आधे युवा ऐसे हैं, जो हिंदी बोलते हैं, समझते हैं, लेकिन प्रवीणता से हिंदी पढ़ और लिख नहीं पाते। कुछ पढ़ते भी हैं तो सहजता से शुद्ध-शुद्ध नहीं पढ़ पाते।

आधी युवा आबादी है असहज: देश में हिंदी बोलने वाले करीब आधे युवा हिंदी में कतई सहज नहीं है। ऊपर से देखने में यह कोई बहुत बड़ी समस्या नहीं लगती। यहां तक कि हिंदी भाषी मां-बाप को भी अपने हिंदी लिख और पढ़ न पाने में असहज बच्चों से किसी तरह की भावनात्मक परेशानी नहीं होती, लेकिन सच बात यह है कि हिंदी की सबसे कमजोर कड़ी यही युवा पीढ़ी है, जो ऊपर से तो हिंदी में बहुत सहज दिखती है, मगर भीतर से हिंदी को लेकर बिल्कुल असहज है। दरअसल, यही वह पीढ़ी है, जो अप्रत्यक्ष रूप में हिंदी को मौखिक भाषा तक सीमित करने में लगी है।

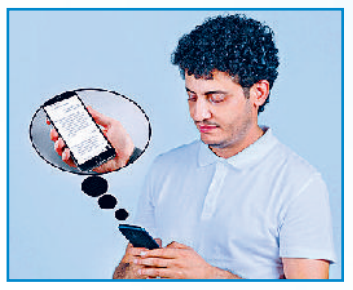

शैक्षिक-सांस्कृतिक विडंबना: यह सचमुच हिंदी के साथ बड़ी भाषाई विडंबना है, क्योंकि हिंदी बोलने वाले, हिंदी पढ़ने वाले, हिंदी में मनोरंजन करने वाले युवा बाहरी तौर पर यह प्रभाव देते हैं कि जैसे वो हिंदी सेवी हों। पर वास्तव में वो हिंदी सेवी नहीं होते। दक्षिण भारत में खासकर बेंगलुरु, चेन्नई में जिन उत्तर भारतीय युवाओं की पहचान हिंदीभाषी होने से है, वास्तव में ये हिंदीभाषी समझे जाने वाली युवा पीढ़ी का बड़ा हिस्सा भी उन्हीं की तरह हिंदी में असहज है। भले यह बाहरी तौर पर हिंदी वाले लगते हों, पर सचमुच में ये हिंदी वाले नहीं हैं, हिंदी को इनसे फायदा कम, नुकसान ज्यादा होता है, क्योंकि हिंदी बोलना, हिंदी में बातें करना, हिंदी में मनोरंजन करना, लेकिन हिंदी लिख और पढ़ न पाना या इसमें सहज न हो पाना, सिर्फ भाषाई समस्या नहीं है। यह सांस्कृतिक और शैक्षिक त्रासदी भी है।

नहीं है हिंदी की गहरी समझ: दक्षिण या पश्चिम भारत के बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि उत्तर भारत के भी बड़े शहरों में ऐसे युवाओं की भरमार है। दिल्ली में भी 25 से 30 फीसदी ऐसे युवा हैं, जो बस हिंदी में बातें करते हैं, गाने सुनते हैं, वेब सीरीज देखते हैं, लेकिन सौ शब्दों का आवेदनपत्र हिंदी में नहीं लिख सकते। घंटों हिंदी में बहस करने वाले उस विषय पर एक पेज भी हिंदी में नहीं लिख पाते। यह इसलिए बड़ी समस्या है कि इससे हिंदी की असली समस्या पर पर्दा पड़ा रहता है। यह भ्रम बना रहता है कि हिंदी, बोलने, जानने और समझने वाले बहुत बड़ी तादाद में लोग हैं। लेकिन यह ऐसी ढोल के भीतर पोल वाली खोखली पीढ़ी है, जो न तो हिंदी का साहित्य जानती है, न कविता जानती है, न हिंदी के अखबार पढ़ती है और न ही हिंदी के ऐतिहासिक दस्तावेजों से ही इसका कोई परिचय है। ऐसे में भला यह पीढ़ी हिंदी का कैसे भला करेगी? यह तो उल्टा हिंदी में रह कर ही हिंदी को कमजोर करती है।

पहचान होती है मातृभाषा: अगर आप ऐसी पृष्ठभूमि से आते हैं कि आपके घर की भाषा यानी मातृभाषा हिंदी है और पढ़ाई और कामकाज की भाषा अंग्रेजी है, तो भले रोज के कामकाजी घंटों में आपको यह खुशफहमी रहती हो कि अपनी कमजोर हिंदी को लेकर आपमें किसी तरह की असहजता नहीं है, लेकिन वास्तविकता यह होती है कि अगर हम अपनी मातृभाषा को पढ़ने और लिखने में सहज नहीं होते तो हमारे अंदर एक स्वतः जन्मी हीन भावना हर समय रहती है। जो लोग अपनी मातृभाषा को सही से लिखना, पढ़ना नहीं जानते, उन्हें अपनी दुनिया के सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों का भी पता नहीं होता। दिन रात अंग्रेजी पढ़ने वाले ज्यादातर भारतीय अंग्रेजी के मुहावरों, उसकी लोकोक्तियों में मौजूद गहरे सांस्कृतिक संदर्भों से कभी नहीं जुड़ पाते, इसलिए बहुत सी बातों को वो कभी भी गहराई से समझ नहीं पाते। हमें लिपि की कठिनाई का बहाना बनाकर अपनी भाषा से नहीं कटना चाहिए। एक बार अगर हम अपनी भाषा से कट गए, तो हम अपनी स्मृतियों से, पीढ़ीगत धरोहरों से और साहित्यिक विरासत से भी कट जाते हैं।

डिजिटल जीवनशैली का प्रभाव: इसमें आज की डिजिटल लाइफस्टाइल और बाहर के देशों से आने वाली तकनीकी का भी हाथ है। लेकिन इस आरोप से तो हम अपनी भाषा के साथ लगाव न रख पाने को सही नहीं ठहराते। माना कि डिजिटल युग में मोबाइल और सोशल मीडिया में रोमन लिपि में लिखे, पढ़े जाने का चलन है, जिससे देवनागरी की प्रैक्टिस खत्म होती है। लेकिन यह यूं ही स्वतः नहीं पैदा हो गया। इस स्थिति के पैदा होने में बकायदा सांस्कृतिक संदर्भों का योगदान है। आज जिस तकनीक का आप अपने जीवन में इस्तेमाल कर रहे हैं, वह किसी हिंदी भाषी ने नहीं विकसित की, वह इस तकनीक को हिंदी के अनुकूल क्यों विकसित करता? अतः हिंदी के साथ अपने सहज और आत्मीय रिश्ते आपको खुद ही रखने है, इसके लिए किसी तकनीकी कमी या उसके संकट को बहाना नहीं बना सकते। *

{ व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय }

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं।

हिंदी हमारी मदर टंग है

मुझे हिंदी दिवस के एक कार्यक्रम में जाना पड़ा। मैं जैसे ही माइक के सामने हुआ खड़ा, आयोजक ने कहा, 'आज आपको हिंदी पर एक कविता जरूर सुनानी है।'

मैंने कहा, 'तो सुनिए, जो हिंदी की कहानी है। हिंदी समस्त भारतीय भाषाओं की रानी है। हिंदी का बड़ा सम्मान है। यह हमारी आन-बान-शान है। इस पर हमें गर्व है, दर्प है, अभिमान है। क्योंकि हिंदी महान है।

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं। वर्ष भर पूजाघरों में मूर्तिवत सजाकर-संवार कर धरते हैं। इस भाषा में नहीं है कोई खोट। इसे साल के बाकी दिनों में तलाशो तो हिंदी वैसे ही मिला करती है, जैसे किसी माफिया के पूजाघर में रखे हुए नंबर दो के करेंसी नोट।

हिंदी हमारी अभिलाषा है। यह हमारी राजभाषा है। इसलिए इसकी पूजा करना हमारी मजबूरी है। जैसे आज की सियासत में अशालीन होना जरूरी है।

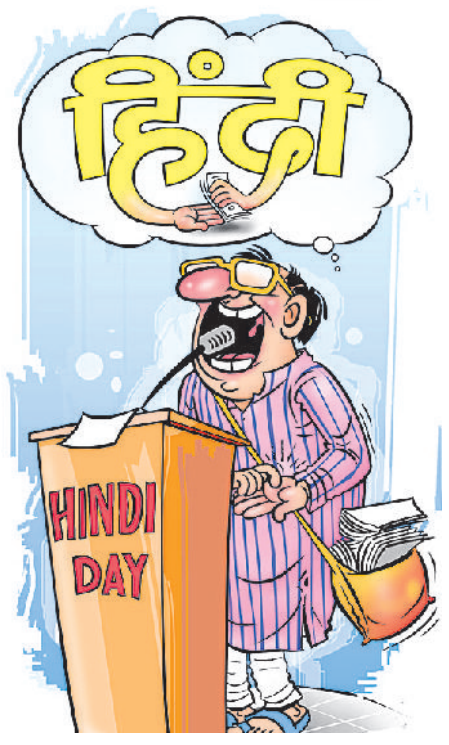

हिंदी का बड़ा महत्व है। हिंदी से हमें ममत्व है। हिंदी हमारे लिए वैसे ही है, जैसे गांव वालों के लिए मेला, जैसे मजदूरों के लिए ठेला और रैली में रेला। हिंदी हमारी शोभा है, हमारा अलंकार है। हिंदी हमारा अंतिम प्यार है। हिंदी का नाम लेते ही हमारे अधरों पर फूल खिलते हैं। हिंदी हमारे लिए इसलिए भी प्यारी है

क्योंकि हिंदी में मांगों तो वोट भी आसानी से मिलते हैं। इसीलिए तो हर राजनेता हिंदी के साथ दिखता है। अहिंदी भाषी सियासातदान भी हिंदी सीखता है।

हिंदी पर अब और कितना सुनाऊं मेरे भाई? हिंदी हमारे भाल की बिंदी है, और लोग हैं कि इतनी-सी बात समझ पाते नहीं कि मर्द बिंदी लगाते नहीं। तो आधी आबादी को छूट, बच गई आधी तो उसको भी है आजादी कि फैशन से फुर्सत हो तो बिंदी लगाएं। इस विदेशी कल्चर की क्यारी में हम कैसे हिंदी का प्लांट लगाएं? कहिए, आयोजक जी, अभी भी आपका मन नहीं भरा हो तो हम हिंदी पर और भी सुनाएं।'

आयोजक बोला, 'अब आप कृपापूर्वक जाएं और नेक्स्ट ईयर अगेन हिंदी पर ऐसी ही एक नई कविता लिखकर अवश्य लाएं।' *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

NBC®

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

{ लघुकथा / शीला श्रीवास्तव }

हिंदी बनाम इंग्लिश

रिया बहुत देर से अपने कमरे में चहलकदमी कर रही थी। नमिता ने पूछा, 'क्या बात है बेटी, क्यों परेशान हो?'

'मेरे स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग है, और पापा घर पर नहीं हैं।' रिया खीझे स्वर में अपनी मम्मी से बोली।

'अरे तो क्या हुआ? मैं हूं ना। मैं चलती हूं पैरेंट्स मीटिंग में।' मां बोलीं।

'आप तो रहने ही दें। आपको इंग्लिश बोलना कहां आती है? आप आएंगी तो मेरा स्कूल में मजाक ही बनेगा।' रिया का जवाब सुनकर मां स्तब्ध रह गई। इस बात के लिए वह अकसर अपने पति से भी खरी-खोटी सुनती थी, आज बेटी ने भी सुना दिया। कुछ दिनों बाद स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर एक प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला था, जिसका शीर्षक था, 'हिंदी बनाम इंग्लिश।' रिया जानती थी, मम्मी की हिंदी पर बहुत अच्छी पकड़ है। उसने पहले मम्मी से अपने पिछले बर्ताव के लिए मांफी मांगी फिर बोली, 'मम्मी, प्लीज आप मेरे लिए एक स्पीच लिख कर दे दीजिए।' मां पूरे मनोयोग से स्पीच लिखने में जुट गई। उसकी मेहनत रंग लाई। रिया को प्रथम पुरस्कार मिला। स्कूल से आते ही रिया अपनी मम्मी के गले लग गई, बोली, 'आपके लिखे स्पीच ने आज मुझे स्कूल में फेमस कर दिया। यूं आर ग्रेट मम्मी! यह पुरस्कार मैं आपको समर्पित करती हूं।'

अपनी बेटी की नजरों में अपने लिए सम्मान देख मां की आंखें खुशी से छलक आईं। *

स्पेशलः इंजीनियर्स डे, 15 सितंबर

पिछली सदी में हुए भारत के महान सिविल इंजीनियर एम. विश्वेश्वरैया की जयंती को इंजीनियर्स डे के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर हम आपको बता रहे हैं देश के अलग-अलग इलाकों में स्थित कुछ ऐसे निर्माणों के बारे में, जो इंजीनियरिंग की शानदार मिसाल पेश करते हैं। इनकी विशेषताओं के बारे में जानकर आप अचरज किए बिना नहीं रह पाएंगे।

देश में कई जगह मौजूद हैं इंजीनियरिंग के गौरवशाली प्रतीक

चिनाब पुल जम्मू-कश्मीर के रियासी में

बांद्रा-वर्ली सी लिंक मुंबई में

बेमिसाल

शिखर चंद जैन

अपने देश के अलग-अलग क्षेत्रों में निर्मित किए गए इंजीनियरिंग के ये नायाब नमूने हर किसी को हैरान कर देते हैं। ये गौरवशाली प्रतीक भारतीय इंजीनियरिंग की नई प्रगति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

चिनाब रेलवे ब्रिज

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित यह विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। यह 359 मीटर ऊंचा है। अनूठा चिनाब ब्रिज पेरिस के एफिल टॉवर से भी 35 मीटर ऊंचा है। इसका निर्माण कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन और इंजीनियरिंग संस्थान आईआईएससी बेंगलुरु द्वारा किया गया है। आईआईटी दिल्ली और आईआईटी रुड़की ने इसकी भूकंप सहनशीलता का विश्लेषण किया, जबकि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इसके विस्फोट-प्रतिरोधी होने की पुष्टि की।

यह 8 तीव्रता तक के भूकंप के झटके, 40 टन टीएनटी तक का विस्फोट, -20 डिग्री सेल्सियस तक तापमान और 266 किमी. प्रति घंटा की गति वाली आंधी को सहन करने की क्षमता रखता है। दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल माना जाने वाला चिनाब पुल, जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में बक्कल और कौरी के बीच स्थित है। यह उधमपुर, श्रीनगर, बारामुला रेलवे लिंक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जम्मू और कश्मीर को शेष भारत से जोड़ना है। इसके कारण क्षेत्र में कनेक्टिविटी काफी सुविधाजनक हो गई है।

स्टेच्यू ऑफ इक्वेलिटी

हैदराबाद (तेलंगाना) में स्थित यह विशाल प्रतिमा 11वीं शताब्दी के वैष्णव संत श्री रामानुजाचार्य की है। 5 फरवरी 2019 को, भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

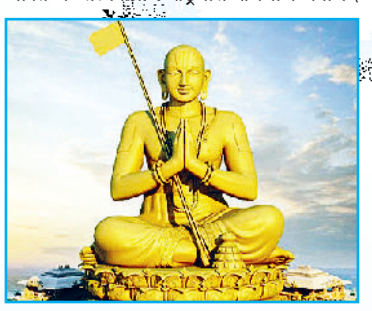

ने इस प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा समानता, न्याय और करुणा के उस दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसका उपदेश श्री रामानुजाचार्य ने मानवता को दिया था। स्टेच्यू ऑफ इक्वेलिटी की ऊंचाई 216 फीट है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है। यह मूर्ति एक विशेष कांस्य मिश्र धातु से बनी है, जिसे पंच धातु कहा जाता है। इसमें श्री रामानुजाचार्य को बैठी हुई मुद्रा, कमल मुद्रा, पद्मासन और पारंपरिक मुद्रा में दर्शाया गया है, जो शांति और ध्यान दोनों का प्रतीक माना जाता है। यह प्रतिमा 54 फुट ऊंचे चबूतरे पर स्थापित है, जिस पर संग्रहालय और अनुसंधान केंद्र स्थित हैं। यह चबूतरा रामानुजाचार्य के संदेश के स्तंभों और आधुनिक विश्व में उनकी प्रासंगिकता का प्रतीक है। यह समाज में समानता और देश में एकता का प्रतीक भी है। इसके चारों ओर एक मंदिर परिसर और आगंतुकों के लिए एक उच्च-तकनीकी केंद्र है। यह प्रतिमा और परिसर इंजीनियरिंग के अद्भुत कौशल को प्रदर्शित करता है।

बांद्रा-वर्ली सी लिंक

मुंबई में रहने वाले बहुत से निवासी बांद्रा-वर्ली सी लिंक के जरिए यात्रा करते हैं। यह शानदार केबल-स्टेड ब्रिज भारत की आधुनिक इंजीनियरिंग विशेषज्ञता का एक अनुपम उदाहरण है। 5.6 किलोमीटर लंबा यह पुल बांद्रा और वर्ली के व्यस्त उपनगरों को जोड़ता है, जिससे शहर की भीड़-भाड़ वाली सड़कों पर सफर का समय कम हो जाता है। केबलों को थामे रखने वाले विशाल खंभे समुद्र तल से 128 मीटर ऊपर हैं। 66 फीट चौड़े इस ब्रिज पर आठ लेन में आवागमन होता है। वर्ष 2000 में इसका निर्माण शुरू हुआ और वर्ष 2010 में यह आम जनता के लिए खोल दिया गया।

पीर पंजाल अटल रेलवे सुरंग

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा '10,000 फीट से ऊपर दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग' के रूप में दर्ज, अटल सुरंग हिमाचल प्रदेश में मनाली-लेह राजमार्ग पर रोहतांग दर्रे के नीचे स्थित है। चुनौतीपूर्ण भू-भाग और जमा देने वाले तापमान में निर्मित, 9.02 किलोमीटर लंबी इस सुरंग को रोहतांग सुरंग के नाम से भी जाना जाता है। इसका निर्माण सर्दियों के महीनों में राजमार्ग के बंद होने की समस्या को दूर करने के लिए किया गया है, जिससे लाहौल और स्पीति अलग-थलग पड़ जाते थे। सुरंग के निर्माण से मनाली-केलांग मार्ग की दूरी 46 किलोमीटर कम हो गई है, जिससे इस दूरी की यात्रा का समय लगभग चार से पांच

घंटे कम हो गया है। हिमालय में पीर पंजाल पर्वतमाला की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए, इस सुरंग के निर्माण के लिए उत्कृष्ट तकनीकी और इंजीनियरिंग कौशल का उपयोग किया गया। यह प्रभावशाली परियोजना आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग में भारत की विशेषज्ञता का गौरव है और भारत के सर्वश्रेष्ठ सिविल इंजीनियरिंग चमत्कारों में से एक है। *

धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल

मुंबई, महाराष्ट्र में स्थित यह एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय स्कूल है। यहां वर्षाजल का संचयन और ऊर्जा संरक्षण सहित समकालीन वास्तुकला सुविधाएं मौजूद हैं। डिजाइन से संबंधित आधुनिक विशेषताओं के लिए इसे सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में से एक माना जाता है क्योंकि यह स्थिरता के बारे में बहुत कुछ कहता है। स्कूल ने हाल ही में अत्याधुनिक सुविधाओं को शामिल किया है, जिसमें सौर पैनल और जल पुनर्चक्रण प्रणालियों सहित एडवांस्ड ग्रीन टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। अत्याधुनिक कक्षाएं और इंटरेक्टिव शिक्षण वातावरण एक सुव्यवस्थित परिसर में जोड़े गए हैं, जो पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ शिक्षा में उत्कृष्टता पर जोर देते हैं। इंजीनियर्स के योगदान से ही इसका निर्माण संभव हो पाया है।

तेलंगाना राज्य का प्रसिद्ध लोक-महोत्सव बतकम्मा, महिलाओं के सम्मान और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक पर्व है। भाद्रपद अमावस्या से शुरू होकर दुर्गाष्टमी तक नौ दिनों तक मनाए जाने वाले इस उत्सव के दौरान कला, संस्कृति और प्रकृति के आपसी जुड़ाव की निराली छटा दिखती है।

स्त्री सम्मान-प्रकृति प्रेम का प्रतीक लोक-महोत्सव बतकम्मा

सांस्कृतिक पर्व

सरिता सुराणा

हमारे देश में वर्ष भर त्योहारों का मेला लगा रहता है। सभी क्षेत्र, जाति और धर्म के लोग उत्साह-उमंग से विभिन्न पर्व मनाते हैं। लेकिन अलग-अलग राज्यों में भी अपने-अपने कुछ विशेष त्योहार मनाए जाते हैं। उन्ही में से एक है बतकम्मा पर्व। इसे तेलंगाना राज्य की महिलाएं मनाती हैं।

वातावरण में लहराती हैं स्वर लहरियां

छिन्निमा बतकम्मा, छिन्नारक्का बतकम्मा,
दादी मां बतकम्मा, दामेरमुतक्कल बतकम्मा।

ऐसे गीतों की मधुर स्वर लहरियां जब वातावरण में गूंजने लगती हैं तो समझ आ जाता है कि बतकम्मा पर्व आ गया है और संपूर्ण तेलंगाना में मातृशक्ति के प्रति सम्मान और प्रकृति प्रेम का सैलाब उमड़ रहा है।

इस पर्व में एक प्रतीकात्मक पुष्पों की प्रतिमा बनाई जाती है, जिसे बनाने के लिए कई रंगों के फूलों का उपयोग किया जाता है। इसलिए इसे रंगों का त्योहार भी माना जाता है। पूरे तेलंगाना में यह बतकम्मा पर्व नौ दिनों तक मनाया जाता है। इसमें बहुत सुंदर तरीके से फूलों से अलग-अलग आकृतियां बनाई जाती हैं, इसमें प्रयोग किए जाने वाले ज्यादातर फूल आयुर्वेदिक दृष्टि से भी उपयोगी होते हैं। इसमें फूलों से सात परतों से मंदिर के गोपुरम जैसी आकृति बनाई जाती है। तेलुगु भाषा में बतकम्मा का मतलब होता है, देवी मां जिंदा हैं। इस दिन बतकम्मा को महागौरी के रूप में पूजा जाता है, यह पर्व स्त्रियों के सम्मान के रूप में मनाया जाता है।

कब मनाया जाता है: हिंदू पंचांग के अनुसार यह पर्व श्राद्ध पक्ष, भादो की अमावस्या, जिसे महालय अमावस्या भी कहते हैं, के दिन शुरू होता है और नवरात्र की अष्टमी के दिन खत्म होता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार यह सितंबर-अक्टूबर महीने में मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 21 से 30 सितंबर तक मनाया जाएगा। यह मानसून के अंत में शुरू होकर शीत ऋतु के प्रारंभ तक मनाया जाता है।

ऐसे मनाते हैं पर्व: इस पर्व में फूलों से एक बड़े पर्वत जैसी आकृति बनाई जाती है। इसके सबसे ऊपरी भाग में हल्दी से गौरम्मा बनाकर उसे रखा जाता है। इस दौरान नाच-गाने का आयोजन किया जाता है। बतकम्मा का नाम बृहदाम्मा से ही उत्पन्न हुआ है। माना जाता है कि भगवान शिव-पार्वती को प्रसन्न करने के लिए यह त्योहार 1000 साल से उसी इलाके (वर्तमान तेलंगाना) में बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है।

जताते हैं प्रकृति के प्रति आभार: वर्षा ऋतु में सभी जगह पानी का प्रवाह होता है। नदी, तालाब एवं कुएं पानी से भर जाते हैं। उसके बाद धरती पर फूलों के रूप में पर्यावरण में बहार आ जाती है। इसी कारण प्रकृति का धन्यवाद देने के लिए तरह-तरह के फूलों के साथ इस पर्व को मनाया जाता है। इस त्योहार को मनाने के लिए नव विवाहिताएं अपने मायके भी आती हैं। मान्यता है कि उनके जीवन में परिवर्तन लाने के लिए यह प्रथा शुरू की गई थी।

पर्व के शुरुआती पांच दिनों में महिलाएं अपने घर का आंगन स्वच्छ करती हैं और उसको गोबर से लीपा जाता है। सुबह जल्दी उठ कर उस आंगन में सुंदर-सुंदर मुग्गु बनाती हैं। कई जगह पर ऐप्पन से चौक बनाया जाता है, जिसमें सुंदर कलाकृति बनाई जाती है। चावल के आटे से बनी रंगोली का भी बहुत महत्त्व है। इस उत्सव में घर के पुरुष बाहर से नाना प्रकार के फूल एकत्र करते हैं, जिसमें सलोसिया, सेन्ना, मेरीगोल्ड, कमल, ककुर्बिता, कुकुमिस और बहुत से अन्य फूलों को एकत्रित किया जाता है। फूलों की तरह-तरह की परतें बनाई जाती हैं, उनके नीचे फूलों की पत्तियों से सजाया जाता है, इसे थंबलम के नाम से जाना जाता है। नौ दिन तक हर शाम महिलाएं और लड़कियां एकत्रित होकर नाचती, गाती हैं, ढोल बजाए जाते हैं। सब अपने-अपने बतकम्मा को लेकर आती हैं। इस दौरान महिलाएं पारंपरिक साड़ी, गहने पहनती हैं और लड़कियां लहंगा चोली पहनती हैं। सभी महिलाएं बतकम्मा के चारों ओर गोला बनाकर क्षेत्रीय भाषा में गीत गाती हैं। महिलाएं अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए माता पार्वती से प्रार्थना करती हैं। अष्टमी पूजा के बाद बतकम्मा को तालाब के पानी में विसर्जित कर दिया जाता है। *

किसी भी ग्रह से टूटकर पृथ्वी पर गिरे उल्कापिंड उस ग्रह के इतिहास और उसकी संरचना को समझने में मदद करते हैं। इसका उपयोग गहनों एवं सजावटी वस्तुओं में भी किया जाता है। यही वजह है कि ग्रहों के इन टुकड़ों की कीमत बहुत अधिक होती है। जानिए इस बारे में विस्तार से।

महत्वपूर्ण और कीमती होते हैं ग्रहों से टूटकर गिरे उल्कापिंड

रोचक

अंजू जैन

हाल ही में मंगल ग्रह से आए एक उल्कापिंड, NWA 16788, की न्यूयॉर्क में 'गीक वीक 2025' नीलामी हुई है। यह उल्कापिंड पृथ्वी पर पाया गया अब तक का सबसे बड़ा मंगल ग्रह का टुकड़ा माना जाता है, जिसका वजन 24.5 किलोग्राम है। इसकी अनुमानित कीमत 15 से 30 करोड़ रुपए (लगभग 1.8 से 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के बीच है।

क्या है NWA 16788: यह एक शर्गोटाइट उल्कापिंड है, जो मंगल ग्रह की भूगर्भीय संरचना के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देता है। यह सहारा रेगिस्तान में पाया गया था और मंगल ग्रह की सतह से उत्पन्न हुआ माना जाता है। इसकी सतह पर लाल-भूरी फ्यूजन क्रस्ट है, जो अंतरिक्ष में इसकी यात्रा के दौरान उच्च तापमान के कारण बनी। यह मंगल ग्रह की मिट्टी से बना है और इसकी उम्र लगभग 74.2 करोड़ साल पुरानी बताई जाती है।

वैज्ञानिक महत्व: यह उल्कापिंड मंगल ग्रह के इतिहास और संरचना को समझने में मदद करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह उस समय के मंगल ग्रह की सतह का हिस्सा हो सकता है, जब वहां पानी मौजूद था।

मूल्य और विशेषता: इसकी कीमत 15 से 30 करोड़ रुपए के बीच अनुमानित है, जो इसे अब तक के सबसे महंगे उल्कापिंडों में से एक बनाता है।

क्यों होते हैं इतने महंगे: ग्रहों या उल्काओं से टूट कर पृथ्वी पर गिरे टुकड़े, जिन्हें उल्कापिंड कहा जाता है, कई कारणों से महंगे होते हैं। इनमें शामिल हैं-

दुर्लभता: उल्कापिंड अंतरिक्ष से पृथ्वी पर बहुत कम मात्रा में पहुंचते हैं। इनमें से कुछ विशेष प्रकार, जैसे चंद्रमा या मंगल ग्रह से आए उल्कापिंड, अत्यंत दुर्लभ होते हैं, जिससे उनकी कीमत बढ़ जाती है।

वैज्ञानिक महत्व: उल्कापिंड ग्रहों की उत्पत्ति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक इनका अध्ययन ग्रहों की भौतिक-रासायनिक संरचना और प्राचीन इतिहास को समझने के लिए करते हैं, जिससे इनकी मांग बढ़ती है।

सौंदर्य और संग्रहणीयता: कुछ उल्कापिंडों में अनोखे पैटर्न (जैसे विडमैनस्टेटन पैटर्न) या रंग होते हैं, इस कारण इनका उपयोग गहनों या सजावटी वस्तुओं के निर्माण में भी किया जाता है।

उत्पत्ति: चंद्रमा, मंगल या विशिष्ट क्षुद्रग्रहों से आए उल्कापिंड अत्यंत मूल्यवान होते हैं, क्योंकि ये पृथ्वी के बाहर की सामग्री होते हैं। उल्कापिंडों को खोजने, पुनर्प्राप्त करने और उनकी प्रामाणिकता सत्यापित करने में समय, संसाधन और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व: कुछ संस्कृतियों में उल्कापिंडों को पवित्र माना जाता है, जैसे भारत में कुछ प्राचीन मंदिरों में रखे गए उल्कापिंड।

ग्रहों के टुकड़ों के प्रकार: ग्रहों से टूट कर पृथ्वी पर गिरे टुकड़ों के कई प्रकार होते हैं, जैसे-

उल्का पिंड: जब उल्का पृथ्वी के वायुमंडल से गुजर कर सतह पर पहुंचती है, तो उसे उल्कापिंड कहते हैं।

उल्का: अंतरिक्ष से पृथ्वी की ओर आने वाला पदार्थ जो वायुमंडल में जलता है और 'टूटता तारा' जैसा दिखता है।

क्षुद्रग्रह: अंतरिक्ष में चक्कर लगाने वाले बड़े चट्टानी पदार्थ, जिनके टुकड़े उल्कापिंड के रूप में पृथ्वी पर गिर सकते हैं।

चंद्र उल्का पिंड: चंद्रमा से उत्पन्न होने वाले उल्का पिंड।

मंगल उल्का पिंड: मंगल ग्रह से आए उल्कापिंड।

पैलासाइट: लोहे और सिलिकेट खनिजों से बने विशेष उल्का पिंड, जो अकसर सुंदर क्रिस्टल पैटर्न दिखाते हैं।

कोन्ड्राइट: सबसे आम उल्कापिंड, जिनमें सौरमंडल की प्राचीन सामग्री होती है।

इनके अलावा भी विभिन्न ग्रहों से टूटकर गिरे टुकड़ों या उल्कापिंडों के अलग-अलग कई प्रकार एवं अलग-अलग नाम होते हैं।

अब हम आपको अब तक मिले कुछ बेहद महत्वपूर्ण उल्कापिंड और उनकी कीमत के बारे में बताते हैं।

होबा उल्कापिंड: नामीबिया में 1920 ई. में पाया गया लगभग 60 टन वजनी यह उल्कापिंड अब तक का ज्ञात सबसे बड़ा एकल उल्कापिंड है। इसका बाजार मूल्य निर्धारित नहीं है, क्योंकि यह वहां की राष्ट्रीय संपत्ति है, लेकिन इसकी कीमत अरबों रुपए हो सकती है।

फुकांग पैलासाइट: साल 2000 में चीन में पाया गया यह उल्का पिंड पैलासाइट (लोहा और ओलिवाइन क्रिस्टल) कैटेगरी का है। यह अपने सुंदर क्रिस्टल पैटर्न के लिए प्रसिद्ध है। इस उल्कापिंड के इसके छोटे टुकड़ों की कीमत 20 से 50 डॉलर प्रति ग्राम तक हो सकती है।

चेल्याबिंस्क उल्कापिंड: साल 2013 में रूस में गिरा साधारण कोन्ड्राइट प्रकार का यह उल्का पिंड एक खास वजह से प्रसिद्ध है। दरअसल, 2013 में इसके गिरने से एक बड़ा विस्फोट हुआ था, जिसने इसे विश्व प्रसिद्ध बनाया। इसके टुकड़ों की कीमत 1 से 10 डॉलर प्रति ग्राम तक रही है।

नखला उल्कापिंड: मिस्र में साल 1911 में गिरा यह उल्कापिंड मंगल ग्रह से गिरे होने की पुष्टि वाला पहला उल्कापिंड है। इसकी कीमत प्रति ग्राम 100 से 300 डॉलर तक तक हो सकती है।

एलेंडे उल्कापिंड: मैक्सिको में 1969 ई. में गिरे कार्बोनेशियस कोन्ड्राइट प्रकार के इस उल्कापिंड में सौरमंडल की सबसे प्राचीन सामग्री और कार्बनिक यौगिक पाए गए हैं, जो जीवन की उत्पत्ति के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसकी कीमत प्रति ग्राम 1 से 5 डॉलर अनुमानित है। लेकिन इसके दुर्लभ टुकड़ों की कीमत अधिक हो सकती है। *

सिने संवाद

डी.जे. नंदन

बॉलीवुड फिल्मों की बात करें तो शुरुआत से लेकर अब तक की फिल्मी संवाद की भाषा हिंदी में अनेक परिवर्तन देखने को मिलते हैं। हर अदाकार अपने अंदाज में हिंदी तो बोलता ही है, समय और पीढ़ी के अनुसार भी इसमें बदलाव आते रहे हैं। इन बदलावों पर एक नजर।

पहले के दौर से कितनी बदली बॉलीवुड फिल्मों की हिंदी

'राजी' में आलिया भट्ट के संवाद रहे असरदार

क्षेत्रीय प्रभाव से मुक्त हैं 'गुड लक जेरी' के संवाद

अगर आप हिंदी फिल्मों के शौकीन हैं तो बॉलीवुड फिल्मों में बोली जाने वाली आज की हिंदी में पिछली सदी के पचास, साठ, सत्तर और अस्सी के दशकों की बॉलीवुड फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी से कुछ अंतर महसूस करते होंगे। क्या फर्क है तब और अब की फिल्मों की हिंदी में, एक दृष्टि डालते हैं।

बीते दौर की बॉलीवुड फिल्मों में हिंदी: पिछली सदी के सत्तर और अस्सी के दशक के एक्टर्स की बात करें तो अमिताभ बच्चन की हिंदी बहुत समृद्ध थी, साथ ही उसमें हमेशा 'संवाद अदायगी' का एक मंचीय असर दिखता था। उनसे पूर्व दिलीप कुमार के संवाद इतने अधिक अभिनय केंद्रित हुआ करते थे कि दर्शक डायलॉग्स को सुनने की बजाय देखने लगता था। दिलीप

'उधम सिंह' में विक्की कौशल

कुमार के संवादों में हिंदी-उर्दू मिश्रित भाषा देखने को मिलती है।

ऐसे ही अभिनेता राजकुमार की संवाद अदायगी में उर्दू-शैली का असर दिखता था, जो उनकी अभिजातीय छवि का हिस्सा बनता था। उदाहरण के तौर पर फिल्म 'पाकीजा' में उनकी संवाद अदायगी को देखा जा सकता है। अपने जमाने में राजेश खन्ना या शत्रुघ्न सिन्हा जैसे अभिनेता अकसर अपने मूल क्षेत्रीय लहजों को पूरी तरह छोड़े बिना हिंदी बोलते थे। यह उस दौर में 'स्वाभाविक' ही माना जाता था।

अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री स्मिता पाटिल भाषा को साधने में माहिर थीं। वह बहुत अच्छी हिंदी बोलती थीं। उनके द्वारा बोले गए संवाद बहुत गूंजदार, ठहराव से भरे होते थे। उनके संवादों में लयात्मकता होती थी और इसमें कविताई का आभास होता था। समग्रता में देखा जाए तो पिछली सदी के 70 और 80 के दशक में अभिनेता हिंदी को एक खास छंद, ठहराव और 'दबाव' के साथ बोलते थे। यह एक 'शास्त्रीय लहजा' था, जो दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, शबाना आजमी, स्मिता पाटिल आदि कलाकारों की संवाद अदायगी में दिखता था।

आज के फिल्मों की हिंदी: हर दौर की अपनी एक अलग भाषा, संवाद का एक अलग सलीका होता है। यह बात हिंदी फिल्मों पर भी लागू होती है। आज की फिल्मों की हिंदी पहले की फिल्मों से बेहतर भले न हो, यह पहले की तुलना में अलग जरूर है और असरदार भी। आज फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी ज्यादा लचीली, संवादधर्मी और ग्लोबल शहरी अनुभव से जुड़ी है। यह किसी खास उच्चारण और लहजे में नहीं बोली जाती बल्कि यह हमारे-आपके जैसे सामान्य लोगों की तरह ही बोली जाती है।

हिंदी बोलने में दिखता है आत्मविश्वास: आज की पीढ़ी के अभिनेता और अभिनेत्रियां हिंदी को पूरे आत्मविश्वास से बोलते हैं। उदाहरण के तौर पर फिल्म 'सरदार उधम सिंह' के संवाद 'जो लहू नहीं खौला, वो लहू नहीं...' को देखा जा सकता है। फिल्म में विक्की कौशल पूरे आत्मविश्वास और गहराई के साथ हिंदी बोलते हैं। न संवादों में कोई बनावट, न हिचक। फिल्म के संवादों के उच्चारण में हिंदी की शुद्धता भले गायब हो, लेकिन हिंदी के लिए गर्व और सहजता यहां साफ देखा जा सकता है।

दिखता है सहज भाषाई प्रवाह: आज की बॉलीवुड फिल्मों में सहज भाषाई प्रवाह दिखता है। इसका एक खूबसूरत उदाहरण आलिया भट्ट की फिल्म 'राजी' है। इस फिल्म में

भाषा को साधने में माहिर थीं स्मिता पाटिल

एक कश्मीरी लड़की की भूमिका निभाते हुए आलिया ने जिस तरह की हिंदी बोली है, उसमें पानी जैसा बहाव है। कोई भी शब्द या संवाद अतिरिक्त जोर देकर नहीं बोला गया था, फिर भी ये असरदार थे।

क्षेत्रीय प्रभाव से मुक्त हिंदी: आज के दौर की फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी की एक और खास बात यह है कि आज के ज्यादातर अभिनेताओं और अभिनेत्रियों का उच्चारण और लहजा क्षेत्रीयता से मुक्त है। उदाहरण के तौर पर जान्हवी कपूर की 'गुड लक जेरी' को देखा जा सकता है। फिल्म में जान्हवी को बिहारी-पंजाबी पृष्ठभूमि का दिखाया गया है, फिर भी उनका उच्चारण क्षेत्रीयता से मुक्त 'न्यूट्रल शहरी हिंदी' जैसा है।

कैजुअल फ्लुएंसी पर जोर: आज के अभिनेताओं को मंचीय प्रशिक्षण, स्क्रिप्ट वर्कशॉप्स और संवाद को स्वाभाविक बनाने की ट्रेनिंग मिलती है। आज के दौर में संवाद अदायगी की नाटकीय शैली के स्थान पर रोजमर्रा की जिंदगी में बोली जाने वाली हिंदी और इसकी कैजुअल फ्लुएंसी पर जोर दिया जाता है। विक्की कौशल, राजकुमार राव, तापसी पन्नू, भूमि पेडनेकर, ये सभी संवादों में हिंदी को आत्मसात करके बोलते हैं। ये हिंदी को 'परफॉर्म' नहीं करते, बल्कि 'जीते' हैं।

कुल मिलाकर, फिल्मों में आज की पीढ़ी की हिंदी ज्यादा कैजुअल, लचीली और वास्तविक जिंदगी से जुड़ी लगती है। पहले के फिल्मों की हिंदी भाषा में 'भाषाई सौंदर्य' था, आज के फिल्मों की हिंदी में 'संवादिक सहजता' है। *